



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 21, 1974 (भाद्र 30, 1896)

No. 38]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 21, 1974 (BHADRA 30, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंत्रि मंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/डी०-127/74-प्र०-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री विस्वजीत शाह, उपनिरीक्षक को दिनांक 8 जुलाई, 1974 के अपराह्न में अगले आदेश तक के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रोन्नत करने हैं।

सं० पी० एफ०/एन०-71/74-प्र०-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री एन० के० बोस, उपनिरीक्षक को दिनांक 8 जुलाई, 1974 के अपराह्न में अगले आदेश तक के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा में, अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

(गुलजारी लाल अग्रवाल)

प्रशासन अधिकारी (स्था०)

हृते पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/डी०-10/74-प्र०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से पश्चिम बंगाल सवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी 1-246GI/74

(5243)

श्री डी० सी० बाजपेयी को दिनांक 8 अगस्त, 1974 के पूर्वान्त में अगले आदेश तक के लिए, प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक नियुक्त करने हैं।

श्री एम० के० बनर्जी (बन्धोपाध्याय), भारतीय पुलिस सेवा पश्चिम बंगाल को दिनांक 8-8-74 के पूर्वान्त में अपने पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया। उनकी सेवाएँ राज्य सरकार को वापस सौंप दी गईं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 अगस्त 1974

सं० डी० 38013(1)/2/74-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, श्री पी० पी० मिह, आई० पी० एम० (विहार 1956) को दिनांक 2-8-74 के अपराह्न में, श्री एन० सी० पाल, आई० पी० एम० (पश्चिमी बंगाल 1951), जो कि उसी दिनांक के अपराह्न में अपने राज्य में प्रत्यावर्तित हुए हैं, के स्थान पर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (पूर्वी क्षेत्र) के उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करने हैं। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 26 अगस्त 1974

सं० ई० 38013(3)/6/74-प्रशा०-1—उप-महानिरीक्षक (पूर्वी क्षेत्र), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता, के कार्यालय को स्थानान्तरण होने पर, श्री बी० ए० देवाया ने दिनांक 6-8-74 के अपराह्न से नं० 9 बटालियन, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दीगाघाट (पटना) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ई० 38013(3)/6/74-प्र०-1—पटना में स्थानान्तरण होने पर, श्री बी० ए० देवाया, दिनांक 7 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी), उत्तरी क्षेत्र, नियुक्त किए जाते हैं और उन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० ई० 38013(3)/9/74-प्रशा०-1—अपनी प्रार्थना पर, सीमा सुरक्षा दल में स्थानान्तरण होने पर, श्री आर० एम० उपाध्याय, सहायक कमांडेंट 58 बटालियन सीमा सुरक्षा दल, दिनांक 20 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, के सहायक कमांडेंट पद पर नियुक्त किए जाते हैं। उन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एम० बिष्ट
महानिरीक्षक

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1974

सं० 2/19/74—प्रशा०—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री ओम प्रकाश यादव, आई० ए० एम० को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 14-8-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थापन्न रूप से विशेष अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिग्ग, अवर सचिव
छूते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

कार्यालय, मुख्यलेखा परीक्षक दक्षिण रेलवे

श्री बी० पद्मनाभन को, जो दक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीन रेलवे लेखा परीक्षा सेवा का एक स्थाई सदस्य हैं, 31-7-74 से अगला आदेश मिलने तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थापनापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है। यह पदोन्नति अनन्तिम है।

एम० पी० नारायण चट्टी,
मुख्य लेखा परीक्षक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

पूर्ति विभाग

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 अगस्त 1974

सं० ए०-17011(24)/71-प्र०-6—स्थायी भंडार परीक्षक तथा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के बम्बई निरीक्षण मंडल में स्थापनापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री जी० एम० मुन्शी दिनांक 30-6-74 के अपराह्न से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

(प्रशासन शाखा-1)

सं० प्र०-1/1(657)—पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थाई अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति श्री एच० आर० दीवानजी दिनांक 31 जुलाई, 1974 के अपराह्न से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र० 1/1(536)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में स्थाई अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री आर० एच० बंजामिन दिनांक 31-7-74 के अपराह्न से निवृत्त आयु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 28 अगस्त 1974

सं० ए० 17011(72)/74-प्र०-6—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में भण्डार परीक्षक श्री जी० गणेशन को दिनांक 5-8-74 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थापनापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 17011(72)/74-प्र०-6—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में भण्डार परीक्षक श्री जी० गणेशन को दिनांक 5-8-74 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थापनापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० के० जोशी,

उप-निदेशक (प्रशा०)

छूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1974

सं० 11(10)/70-एस०-एक०—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री सी० रामानुजाचार्यलु को 1 अगस्त, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी भोपाल के पद पर अस्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(27)/67-एस०-एक०—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एन० जी० दास प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, तेज को 31 जुलाई, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांति लाल, प्रशासन उप निदेशक

छूते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 9-10/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के निदेशक, प्रशासन और सतर्कता ने एतद्द्वारा कुमारी लीलमा अब्राहम को 16 मई, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में क्लिनिकी अनुदेशक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सुरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय**(सहकारिता विभाग)****विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,
(प्रधान कार्यालय)**

फरीदाबाद, दिनांक 24 अगस्त 1974

सं० फा० 4-6(15)-74-प्र०-I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जमन लाल को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन नई दिल्ली, में दिनांक 6 जुलाई, 1974, के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया गया है।

सं० 4-4(12-74 प्रशा-I)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जी० गोपाल राव को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन मद्रास में दिनांक 29 जुलाई, 74 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,
कृषि विपणन सलाहकार

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-400 085, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० पी० ए०/81(44)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री योगेश्वर कनायलाल ठाकुर, एक अस्थाई फोरमैन को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से 1 फरवरी, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 अगस्त 1974

सं० पी० ए०/79(11)/72-आर०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री लक्ष्मण बालाजी गावडे, यहां के एक अस्थाई उच्च श्रेणी लिपिक, और एक अस्थाई सहायक को 18 मई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये अस्थाई आधार पर स्थापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 अगस्त 1974

सं० पी० ए०/79(9)/74-आर०-4—इस अनुसंधान केन्द्र की 17 फरवरी, 1974 की अधिसूचना सं० पी० ए०/79(20)/73-आर०-4 के क्रम में नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री तीरथ जमनादास आसनानी, यहां के एक अस्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी और अस्थाई प्रशासनिक अधिकारी-1 को निम्नलिखित रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न प्रशासकीय अधिकारी-2 नियुक्त करते हैं :—

- (1) 1-4-74 (पूर्वाह्न) से 17-5-74 (अपराह्न) तक तदर्थ आधार पर।
- (2) 18-5-74 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक के लिये नियमित आधार पर।

पी० उषीकृष्णन,
उप स्थापना अधिकारी (म)

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 23 अगस्त 1974

सं० ए० 32013/5/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री ओ० पी० ठीगरा, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी को 14 अगस्त, 1974 अपराह्न से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर विमान क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। श्री ठीगरा को मुख्यालय में तैनात किया जाता है।

मुरजीत लाल खण्डपुर,
महायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1974

सं० ए० 32013/12/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31 अक्तूबर, 1974 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने का अनुमोदन किया है :—

1. श्री पी० एल० मोर्दागल
2. श्री ए० नरेन्द्रनाथ
3. श्री एम० एस० कृष्णन्
4. श्री सी० आर० नरसिहम्
5. श्री ओ० सी० अलेक्जेंडर
6. श्री सी० वी० वेंकटेशन
7. श्री एम० वी० आयर
8. श्री आर० सी० राय चौधुरी
9. श्री एम० रामाचन्द्रन,
10. श्री एस० के० चन्द्रा
11. श्री जी० वी० कोशी
12. श्री पी० आर० सूर्यनन्दन
13. श्री एन० के० नानु

मु० गुप्ता,
महायक निदेशक प्रशा०

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

नई दिल्ली-3, दिनांक 28 अगस्त 1974

सं० ई० (1) 04246—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री ए० पी० लोमानाथन् को 30 मई, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री ए० पी० लोमानाथन् वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

नूतनदास,
मौसम विशेषज्ञ
रुक्ते वेधशालाओं के महानिदेशक

दिल्ली विश्वविद्यालय

विवरण संख्या 1

31-3-1973 को दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र

31-3-1972 रुपये	आस्तियां	31-3-1973 रुपए
2,86,27,215	1. भवन	3,13,23,883
44,99,840	2. फनीचर और उपस्कर	60,60,611
58,75,286	3. विज्ञान उपकरण	59,81,034
96,10,721	4. पुस्तकें और पत्रपत्रिकाएं	1,09,62,227
53,388	5. खेल-कूद सामाग्री और विजयोपहार	53,388
	6. दान चंदे	
1,55,50,010	(क) फोर्डफाउंडेशन के	1,87,72,060
	(ख) 1. 2 करोड़ डालर की भारतीय उच्च शिक्षा ऋण-योजना के अधीन आयातित विज्ञान-उपस्कर	7,62,031
30,26,446	(ग) अन्य अभिकरणों के	27,98,874
	7. उपचित प्राप्तियां	
2,09,480	(क) विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क	2,48,208
	(ख) दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र-1620/II	8,359
1,37,708	(ग) अनुज्ञप्ति शुल्क लाभांश इत्यादि	1,64,831
20,11,842	8. (क) अनुरक्षण अनुदान विनिधान खाता	10,00,000
18,968	(ख) उपचित व्याज	11,938
1,69,43,949	9. (क) भविष्य निधि विनिधान खाता	1,94,40,850
2,58,694	(ख) उपचित व्याज	3,19,289
9,38,000	10. मूल्यह्रास के लिए आरक्षित निधि का विनिधान खाता	8,88,000
—	11. प्रकाशम निधि विनिधान खाता	25,000
1,00,000	12. आरक्षित निधि विनिधान खाता	—
30,000	13. कुलपति की छात्र-निधि का विनिधान खाता	30,000
21,000	14. दिल्ली स्कूल आफ इकानामिक्स छात्र-कल्याण निधि विनिधान खाता	—
20,000	15. गुजरात के डा० गोकुलचंद से संबंधित ऋण-छात्रवृत्ति निधि का विनिधान खाता	21,500
4,75,000	16. सर श्रीराम भीतिकी पीठ धर्मस्व निधि विनिधान खाता	5,15,000
6,77,100	17. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि विनिधान खाता	6,77,100
4,15,000	18. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि विनिधान खाता	4,95,000
96,000	19. पंडित मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि विनिधान खाता	1,03,000
8,10,290	20. अन्य धर्मस्व निधियों का विनिधान खाता	9,48,290
60,000	21. विज्ञान से संबंधित अवधान द्रव्य का विनिधान खाता	60,000
—	22. विविध खाता-पुस्तकालय जमा विनिधान खाता	30,000
—	23. उपचित प्राप्तियां—दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र 360/44	9,53,579
	24. अग्रिम राशियां	
14,000	(क) स्थायी अग्रिम राशि	16,750
6,56,227	(ख) अन्य अग्रिम राशियां	8,11,828
85,940	(ग) वाहन-ऋण	2,34,864

25. नकदी

37,33,566	(क) बैंक में नकदी	64,13,084
4,00,643	(ख) फोर्ड फाउंडेशन अनुदान (26,562.98 डॉलर) में से फर्स्ट नेशनल सिटी बैंक, न्यूयार्क में नकदी	1,99,222

26. विविध देनदार

7,69,314	(क) विश्वविद्यालय प्रेस खाते में से अनुरक्षण अनुदान खाते में	7,68,613
99,150	(ख) विश्वविद्यालय प्रेस खाते में से विविध खाते में	99,150

9,62,24,777

11,11,97,563

प्रमाणित किया जाता है कि अनुदानों का उपयोग उन्हीं कार्यों में और उन्हीं उद्देश्यों से किया गया जिनके लिए ये मंजूर किए गए थे और दिए गए थे।

पाठ-टिप्पणी —

तुलन-पत्र में जो उपरि उल्लिखित राशियां दिखाई गई हैं उनमें 44,998 रुपए 22 पैसे की वह राशि शामिल नहीं है जो विश्वविद्यालय को प्राप्त रायल्टी के हिसाब में बकाया है जैसा कि 30-6-1971 को समाप्त अर्द्ध-वर्ष के बारे में मैसर्स एशिया पब्लिशिंग हाउस, बम्बई से प्राप्त रायल्टी विवरण से प्रकट होता है। प्रकाशक ने अपने लिए विवाचक नियुक्त करने का कानूनी नोटिस देने के बाद बकाया राशि 5,000-00 रुपए प्रति मास की किश्तों में चुकाने का वचन दिया है। इस तरह 31-3-1973 को जो राशि देय थी, उसमें से अभी तक यह प्रकाशक 20,000 रुपए भेज चुका है। इसके बाद 31-12-1972 को समाप्त अर्द्ध-वर्ष तक के रायल्टी विवरण भी प्राप्त हो चुके हैं, और इस तरह 31-12-73 तक इस विश्वविद्यालय को 26,778 रुपए 89 पैसे अब भी प्राप्त होने हैं।

उप-वित्त अधिकारी	आंतरिक लेखापरीक्षा अधिकारी,	वित्त अधिकारी,	कोषाध्यक्ष,
दिल्ली विश्वविद्यालय	दिल्ली विश्वविद्यालय	दिल्ली विश्वविद्यालय	दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

31-3-1973 को दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र

31-3-1972 रुपए	वायित्व	31-3-1973 रुपए
(1)	(2)	(3)
4,77,11,411	1. अनुदान	5,31,61,201
	2. दान चंदा	
1,59,50,653	(क) फोर्ड फाउंडेशन के	1,89,71,282
30,26,446	(ख) 1 2 करोड़ डॉलर की भारतीय उच्च शिक्षा ऋण योजना के अधीन आयातित विज्ञान-उपस्कर	7,62,031
	(ग) अन्य अभिकरणों के	27,98,874
49,61,309	3. व्यय निकालकर अतिरिक्त आय	57,50,838
1,73,07,055	4. (क) भविष्य निधि खाता	
2,011	(ख) अंशदायी भविष्य निधि खाता	1,98,50,919
2,840	(ग) सामान्य भविष्य निधि खाता	
	(घ) अंशदायी भविष्य निधि खाता जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वापस किया जाता है	3,26,202

(1)	(2)	(3)
1,64,952	(ड) ब्याज खाता	2,23,341
9,79,028	5. मूल्यह्रास के लिए आरक्षित निधि का खाता	11,95,396
22,789	6. प्रोफ़ेसरी निधि खाता	57
32,339	7. प्रकाशन निधि खाता	46,749
36,088	8. कुलपति की छात्र-निधि का खाता	30,541
21,000	9. दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स छात्र-कल्याण निधि खाता	—
1,00,000	10. आरक्षित निधि-खाता	—
23,922	11. गुजरात के डा० गोकुल चंद से संबंधित ऋण छात्रवृत्ति निधि का खाता	24,659
5,59,443	12. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता	5,55,460
6,99,955	13. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि खाता	7,01,719
5,18,335	14. सर शंकर लाल भंगीत संस्थान धर्मस्व निधि खाता	5,26,547
1,30,693	15. पं० मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि खाता	1,14,513
8,96,451	16. अन्य धर्मस्व निधियों का खाता	10,68,768
5,51,262	17. विज्ञान से संबंधित अवधान द्रव्य का जमा खाता और पुस्तकालय जमा खाता	5,28,378
	18. ठेकेदारों की जमानत का जमा खाता	2,03,768
12,70,050	19. छात्रवृत्तियों का जमा खाता	12,08,779
2,99,593	20. अनुसंधान योजनाओं का जमा खाता	3,95,405
37,577	21. पारितोषिक एवं धर्मस्व जमा खाता	37,577
42,701	22. अंगभूत कॉलिजों के भवननिर्माण अनुदानों का जमा खाता	—
3,58,051	23. अन्य जमा राशियों का खाता	1,92,154
10,067	24. दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र-360/44	16,40,940
1,07,340	25. बाहन ऋण-निधि खाता	2,74,800
2,00,380	26. उर्वर खाता	4,06,000
2,01,018	27. उपचित भुगतान	2,00,665
9,62,24,777		11,11,97,563

प्रमाणित किया जाता है कि अनुदानों का उपयोग उन्हीं कार्यों में और उन्हीं उद्देश्यों से किया गया जिनके लिए ये मंजूर किए गए थे और दिए गए थे।

उप-वित्त अधिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय

आंतरिक लेखापरीक्षा
अधिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय

वित्त अधिकारी,
दिल्ली विश्वविद्यालय

कोषाध्यक्ष,
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

हिसाब-किताब से संबंधित डिप्लियां

1. "व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय" की मद में 57,50,838 रुपए की जो राशि 31-3-1973 को विश्वविद्यालय के तुलन-पत्र में दिखाई गई है, उसका हिसाब यह है :

आरम्भ-राश	रुपए
ऋण : (1) 31-3-1972 के तुलन-पत्र में अनुरक्षण-अनुदान खाते से प्रेस खाते के पृथक्करण के कारण शामिल की गई अतिरिक्त राशि :	49,61,309 701
	49,60,608
(2) 31-3-1966 के तुलन-पत्र में "व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय" के अंतर्गत गलती से शामिल किया गया स्थायी अग्रिम (अब इसे समायोजित कर लिया गया है)	250
	49,60,358
(3) 1970-71 से संबंधित उपचित प्राप्तियां जो आई तो 1971 और 1972 में, पर जो क्रमशः 31-3-1971 तथा 1972 के तुलन-पत्र में दिखाई नहीं गई (अब इन्हें समायोजित कर लिया गया है)	14,622
	49,45,736
(4) क्रमशः 31-3-1971 तथा 31-3-1972 के तुलन-पत्र में शामिल की गई अन्य उपचित प्राप्तियां (अब इन्हें समायोजित कर लिया गया है)	4,354
	49,41,382
(5) 1972-73 में स्नातकोत्तर (सांध्य कालीन) वक्ताओं से संबंधित उपचित प्राप्तियों की वसूली	3,637
	49,37,745
(6) पिछली अवधि के समायोजन	1,19,426
	48,18,319
धन : (1) व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय/स्नातकोत्तर (सांध्यकालीन) अध्ययन संस्थान से संबंधित शुल्क, जिसे 1-4-1972 से विश्वविद्यालय में मिला दिया गया	1,34,578
(2) 1972-73 के आय-व्यय विवरण के अनुसार व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय :	7,97,941
	57,50,838
	इतिशेष
(2) 31-3-1973 को विश्वविद्यालय प्रेस के तुलन-पत्र में जो 3,25,940 रु० की हानि दिखाई गई है, उसका हिसाब यह है :—	2,46,635
आरंभ शेष	
धन : मशीनों का मूल्य जिन्हें 1971-72 के दौरान बट्टे खाते जाल दिया गया, पर जिसे 1971-72 के प्रेस खाने में नहीं दिखाया गया	11,527
	2,58,162
धन : 1972-73 का हिसाब	67,778
	इति शेष
	3,25,940

ह०	ह०	ह०	ह०
उप-वित्त अधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7	आंतरिक लेखापरीक्षा अधिकारी, दिल्ली विश्व- विद्यालय, दिल्ली-7	वित्त अधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7	कोषाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7

दिल्ली विश्वविद्यालय

1972-73 का आय-व्यय का हिसाब

क्र० सं०	आय	रु०	पै०	रु०	पै०
I. अनुरक्षण अनुदान खाता					
1. अनुदान		1,57,58,912-00.			
ऋण : पूंजीकृत व्यय		22,73,641-92		1,34,85,270-08	
2. छात्रों से प्राप्त शुल्क		57,51,211-09			
ऋण : पिछले वर्ष वसूल की गई राशि		43,123-00		57,08,088-09	
3. अनुज्ञप्ति शुल्क लाभार्थि इत्यादि		2,85,200-39			
ऋण : पिछले वर्ष वसूल की गई राशि		22,194-02		2,63,006-37	
4. पुस्तकालय से प्राप्तियां				1,02,029-73	
5. विविध प्राप्तियां		5,20,154-91			
ऋण : (1) उपचित व्याज की वसूली	18,968-42				
(2) दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र 1620/II					
की उपचित प्राप्ति की वसूली	65-00	19,033-42		5,01,121-49	
6. उपचित प्राप्तियां					
(1) छात्रों से प्राप्त शुल्क				96,409-00	
(2) दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र 1620/II				5,400-98	
(3) अनुज्ञप्ति शुल्क लाभार्थि इत्यादि				49,316-76	
(4) उपचित व्याज जो अनुरक्षण अनुदान व्याज खाते से स्थानांतरित किया गया				11,938-33	

क्रम सं०	व्यय	रु०	पै०	रु०	पै०	रु०	पै०
1.	अनुसंधान अनुदान खाता						
1.	सामान्य प्रशासन					26,45,786	33
(1)	वेतन और भत्ते						
(2)	अन्य प्रभार	41,77,789	36				
	धन : 1972-73 में उपचित राशि	39,405	59			42,17,194	95
2.	कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					34,81,453	27
(2)	अन्य प्रभार	3,38,515	65				
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया			12,034	43		
				3,26,481	22		
	धन : 1972-73 में उपचित राशि			14,437	03	3,40,918	25
3.	विज्ञान संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					26,74,439	86
(2)	अन्य प्रभार			4,61,990	79		
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया			1,25,413	61		
				3,36,577	18		
	धन : 1972-73 में उपचित राशि			90,676	98	4,27,254	16
4.	विधि संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					5,26,338	14
(2)	अन्य प्रभार			15,493	18		
	धन : 1972-73 में उपचित राशि			4,511	69	20,004	87
5.	संगीत एवं ललित कला संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					2,43,603	06
6.	गणित संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					2,24,212	19
(2)	अन्य प्रभार			11,913	77		
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया			912	00		
				11,001	77		
	धन : 1972-73 में उपचित राशि			585	00	11,586	77

1

2

3

4

1	2	3	4
7. आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय			
(1) वेतन और भत्ते			59,675-06
(2) अन्य प्रभार		89,995-81	
ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया		229-13	
		89,766-68	
धन : 1972-73 में उपचित राशि		346-38	90,113-06
8. प्रबंध विज्ञान संकाय			
(1) वेतन और भत्ते			2,35,820-74
(2) अन्य प्रभार			59,122-18
9. पुस्तकालय			
(1) वेतन और भत्ते			5,63,569-74
(2) अन्य प्रभार		1,14,225-78	
ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया		82-80	
		1,14,142-98	
धन : 1972-73 में उपचित राशि		1,473-68	1,15,616-66
10. सार्वभौम विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केन्द्र			
(1) वेतन और भत्ते			1,94,185-94
ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया		2,60,265-16	
		21,081-54	
		2,39,183-62	
धन : 1972-73 में उपचित राशि		487-20	2,39,670-82
11. गांधी भवन			
(1) वेतन और भत्ते			9,505-86
(2) अन्य प्रभार		5,329-81	
ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया		72-86	
		5,256-95	
धन : 1972-73 में उपचित राशि		21-48	5,278-43
12. कुलानुभासक का कार्यालय			
(1) वेतन और भत्ते			8,268-03
(2) अन्य प्रभार			316-81

1	2	3	4
---	---	---	---

II. योजना विकास खाता

1. अनुदान

(1) चतुर्थ योजना के कार्य	17,18,000-00
(2) चतुर्थ योजना से बाहर के कार्य	18,60,774-69
(3) उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र	17,77,128-55

2. विभागीय प्राप्ति या (चतुर्थ योजना से बाहर के कार्य)

5,29,282-80

58,85,186-04

3. ऋण : पूजीकृत व्यय

9,05,880-72

49,79,305-32

2,52,01,886-15

उप-वित्त अधिकारी,
दिल्ली विश्वविद्यालय
योजना विकास खाता

आंतरिक लेखापरीक्षा अधिकारी,
दिल्ली विश्वविद्यालय

1	2	3	4
13	हिन्दी माध्यम मंडल		
	(1) वेतन और भत्ते		3,881-19
	(2) अन्य प्रभार		137-70
14	विश्वविद्यालय स्नेह-कूद संघ		
	(1) वेतन और भत्ते		55,208-07
15	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ		
	(1) अन्य प्रभार		1,164-98
16	छात्रकृतिया और प्रदर्शनिया		2,12,377-78
17	अनुदान		
	(1) विश्वविद्यालय के लिए	9,550-00	
	(2) शैक्षिक उद्देश्यों के लिए	85,959-53	95,509-53
18	निर्माण, अनुरक्षण और मरम्मत		
	(1) वेतन और भत्ते		5,08,500-03
	(2) अन्य प्रभार	12,58,327-10	
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया	41,192-16	
		12,17,134-94	
	धन : 1972-73 में उपचित राशि	48,720-00	12,65,854-94
19	विश्वविद्यालय प्रेम से कराई गई छपाई और जिल्दबंदी		2,54,959-45
20	विविध		8,29,204-11
			1,96,20,732-96
II. योजना विकास खाता		—0—0—	
1	चतुर्थ योजना के कार्य		
	(1) वेतन और भत्ते		14,85,020-67
	(2) अन्य प्रभार		9,155-55
2	चतुर्थ योजना से बाहर के कार्य		
	(1) वेतन और भत्ते		12,48,911-23
	(2) अन्य प्रभार		5,21,712-48
3	उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र		
	(1) वेतन और भत्ते		8,87,237-13
	(2) अन्य प्रभार		6,15,723-13
4	विविध योजनाएं		
	(1) अन्य प्रभार		15,447-44
			2,44,03,945-59
III. व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय			7,97,940-56
			2,52,01,886-15

वित्त अधिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय

कंपाध्यक्ष,
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

31-3-1973 को रोकड़ बाकी

(रोकड़ बही के अनुसार)

खाते का नाम	
I मुख्य खाते	रुपये पै०
1. अनुरक्षण अनुदान खाता	37,49,284-83
2. योजना विकास खाता	3,10,901-63
3. पूजी खाता	12,012-80
4. विविध खाता	8,23,825-25
योग (I)	48,96,024-51
II अन्य खाते	
1. (1) भविष्य निधि खाता	1,25,601-94
(2) अश्रुदायी भविष्य निधि खाता	2,15,600-48
(3) सामान्य भविष्य निधि खाता (-)	27,080-78
(4) अश्रुदायी भविष्य निधि खाता जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वापस किया जाना है	3,26,201-72
2. मूल्य हानि के लिए आरक्षित निधि खाता	3,07,396-48
3. प्रोफेसरी निधि खाता	57-00
4. प्रकाशन निधि खाता	21,748-23
5. कुलपति का छात्र-निधि खाता-	541-08
6. गुजरात के डा० गोकुल चंद से संबंधित ऋण छात्रवृत्ति निधि खाता	3,158-68
7. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता	40,459-82
8. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि खाता	24,618-84
9. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि खाता	31,547-00
10. प० मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि खाता	11,513-57
11. अन्य धर्मस्व निधियों का खाता	1,20,477-86
12. विज्ञान के अवधान-द्रव्य का खाता	38,353-73
13(1) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद छात्र-वृत्ति खाता	1,84,901-73
(2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग छात्रवृत्ति खाता	52,024-98
14. बाहन ऋण-निधि खाता	39,935-89
योग II	15,17,059-25
योग (I) और (II)	64,13,083-76
1. फाई फाउंडेशन अनुदान में ग्रे फुल्ट नेशनल सिटी बैंक, न्यूयार्क में नकदी	1,99,222-00

विवरण सं० 20 (क)

विश्वविद्यालय प्रेस

31-3-1973 का तुलन-पत्र

31-3-1973 को	आस्तियां	31-3-1973 को
रुपये		रुपये
2,02,320	मशीनें फर्नीचर और उपस्कर	1,96,343
1,90,348	अक्षरयोजन (कम्पोज करने की) सामग्री	2,00,434
8,04,367	उपचित प्राप्तियां	8,56,301 (1)
89,278	रह्तिया माल	80,992
26,700	जो काम चल रहा है पर जिसका बिल नहीं भेजा गया	5,700
500	स्थायी अग्रिम राशि	500
49,576	बैंक में तकवी	39,090
2,46,735	हानि	3,25,940
	त्योहार-अग्रिम	0,980
16,09,724		17,06,280
वायित्व		
1,62,442	(1) प्रेस को खरीदने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का विशेष अनुदान	1,62,442
2,25,979	(2) एकमुश्त अनुदान में से दिया गया अनुदान	2,25,979
	विविध लेखा	
99,150	(1) विविध खाता	99,150
7,69,314	(2) सामान्य निधि खाता	7,89,613
3,50,000	विविध खाते से लिया गया ऋण	4,50,000 (2)
2,839	वेतनबिलों से कटौती (जमा खाता)	0,096
16,09,724		17,06,280

प्रवृत्त

- 30-9-73 को उपचित प्राप्तियों में 3,44,356 रुपये 31-3-1972 तक के बकाया थे और 1,11,867 रुपये 1972-73 वर्ष के। इस तरह यह कुल राशि 4,56,223 रुपये थी। इस राशि में से 2,19,910 रुपये का हिसाब उपलब्ध नहीं है जिसका संबंध 1967-68 से पहले की अवधि से है। प्रेस प्रबंध मंडल की एक उपसमिति इस मामले की जांच कर रही है।
- 30-9-1973 तक 1.5 लाख रुपये की राशि विविध खाते को चुका दी गई थी।

1972-73 वर्ष के लिए विश्वविद्यालय प्रेस का लाभ-हानि का हिसाब

1-4-1972 को आरम्भिक माल	रु०	पै०
1. कागज	84,054-00	
2 जिल्द बंदी का सामान	5,224-00	89,278-00
जो काम चल रहा था	26,700-00	26,700-00
व्यय		
वेतन और भत्ते	3,47,091-02	
भविष्य निधि में अंशदान	21,471-32	
कर्मचारी राज्य बीमे में अंशदान	12,712-32	3,81,274-66
माल		
कागज	53,288-09	
जिल्द बंदी	16,489-02	69,777-11
अन्य प्रभार		
1. आकस्मिक खर्च	16,861-82	
3. किराया, कर और उपकरण]	5,170-80	
3. ड्राक खर्च	156-70	
4. कारखाना अनुसृष्टि शुल्क	100-00	22,289-32
योग		5,89,319-09

विवरण सं० 20 (ख)

	रु०	पै०
छपाई और जिल्द बंदी से आय (जिसके बिल भेज दिए गए हैं)	4,24,283-73	
रद्दी कागज की कतरनों की बिक्री	10,511-18	
विविध प्राप्तियां	51-15	4,34,849-06
जो काम चल रहा है पर जिसका बिल नहीं भेजा गया		5,700-00
रहति या माल		
(1) कागज	74,679-83	
(2) जिल्द बंदी	6312-05	80,991-88
हानि	67,778-15
		5,89,319-09

लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र

दिनांक 22 अप्रैल, 1974

केन्द्रीय राजस्व

दिल्ली विश्वविद्यालय के संबंध में 1972-73 वर्ष की लेखापरीक्षा-रिपोर्ट

1. अप्राप्त शिक्षा शुल्क और रायल्टी, इत्यादि

(लाख रुपयों में)

योग

(लाख रुपये में)

योग

22 अप्रैल, 1974

केन्द्रीय राजस्व

सीमा शुल्क

बम्बई, दिनांक 23 अगस्त 1974

स० एस/1-9/74-सिबंदी—श्री मणी कांत सोहम को बम्बई सीमाशुल्क भवन में मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 9-7-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

स० एस/1-13/74-सिबंदी—श्री अमर कृष्ण विश्राम को बम्बई सीमाशुल्क भवन में मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 17-7-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

स० एस/1-6-74-सिबंदी—श्री प्रवजन कुमार मिश्रा को सीमाशुल्क भवन में मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 25-7-74 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

स० एस/1-5/74-सिबंदी—श्री सुरेश नारायण प्रसाद को बम्बई सीमाशुल्क भवन में मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 10-8-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रामचन्द्रन,
सीमाशुल्क समाहर्ता

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय**केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग**

नई दिल्ली, दिनांक 1974

स० 5/2/71-ई० सी०-1—राष्ट्रपति 1972 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर श्री लाल चन्द राहा को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 में सहायक कार्यपालक इंजीनियर (मिविल) के स्थाई पद पर 18-7-74 (पूर्वाह्न) में परिवर्तीकाधीन नियुक्त करते हैं।

धन राज, प्रशासन उप-निदेशक

उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय,

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 अगस्त 1974

स० 752-ई०/167 भाग-दो (ई०/ए)—श्री बी० एस० मक्सेना, सहायक कार्मिक अधिकारी (श्रेणी II) उत्तर रेलवे, दिनांक 31-7-74 अग्रहस्त से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सी० एस० परमेश्वरन्,
महा प्रबंधक

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

“कम्पनी अधिनियम 1956 और चोरकुण्डा रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 23 अगस्त 1974

स० 9(975)-73-74/2467—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि चोरकुण्डा रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनियों का निबंधक, बिहार

कम्पनी अधिनियम 1956 स्टार मूबीटोन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद दिनांक, 26 अगस्त 1974

स० 386 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टार मूबीटोन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 आलविन्ज कम्पनी काफी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

स० 433 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आलविन्ज काफी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

श्री० पी० जैन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
ग्रान्ध प्रदेश,

कम्पनी अधिनियम 1956 आफ मेसर्स अनुपम सू कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1974

स० 2943 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेसर्स अनुपम सू कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० सी० बसु,
रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 के विषय में तथा**‘सौभाग्य चिट फंडस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।**

दिनांक 1974

स० 6134/सी०/74—लोक (कम्पनी अधिनियम 1957 की धारा 445) एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही स० सी० पी० न० 75 ऑफ 1973 में उच्च न्यायालय, मद्रास की फाइनल पर दिए गए दिनांक फरवरी 15-1974 के आदेश द्वारा कम्पनी सौभाग्य चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

पी० अन्नपूर्णा,
कम्पनी के अपर रजिस्ट्रार

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

प्रजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई, 1974

निदेश सं० ए. एम. आर०/जुल०/ए. पी०-1657/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8419, 8420, 8421, 8422, 8423, दिसम्बर 1973 में लिखा है, जो दिलकुशा मार्केट, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्म सिंह मानन पुत्र श्री वसंत सिंह, 389 लाजपत नगर, जालंधर। श्री नौनिहाल सिंह पुत्र श्री गुग्गल सिंह, ज्ञानी

शंकर सिंह पुत्र श्री बाल सिंह, स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह, जागीर सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह मार्केट मैनेजमेंट आफिस, दिलकुशा मार्केट, जालंधर। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री जवंद सिंह, श्रीमती बंती पत्नी श्री जवंद सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री जवंद सिंह, श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री जवंद सिंह, श्री जवंद सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह, गांव गडोवाली, पोस्ट आफिस सरनीपुर, त० जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8419, 8420, 8421, 8422, 8423 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 जुलाई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1974

1. श्री राधेश्याम पुत्र श्री हरिओमल 10/6 जवाहर मार्ग
इन्दौर (अन्तरक)2. श्री सुन्दर दाम पुत्र श्री छत्ता राम 47 जय
राम पुर कालोनी इन्दौर (अन्तरिनी)को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जायेगी।एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 69 काटजू कालोनी इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-9-1974

मोहर :

निर्देश सं० एस० आर० इन्दौर 15-12-73—यतः, मुझे,
एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 69 है, जो काटजू कालोनी इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्री-
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मे आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अहमदाबाद, दिनांक 19 अलाई, 1974

निर्देश सं० —यतः मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लैट नं० 9 और गैरेज नं० 5, पुरोहित एपार्ट-मेण्ट है, जो सयाजी गंज, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाया, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित, सयाजी गंज, बड़ौदा (अन्तरक)

2. महाराज कुमारी विजया कुमारी, भवानी प्रताप सिंह और राजकुमार सुमेर सिंह अवयस्क की पिता भवानी प्रताप सिंह, 9 पुरोहित एपार्टमेण्ट्स, सयाजी गंज, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पुरोहित एपार्टमेण्ट्स का प्लैट नं० 9 और गैरेज नं० 5 जिसका म्युनिसिपल सं० नं० एस० ए०/2749/1 (जुना) और एस० ए०/13-251 (नया) है जो सयाजी गंज, बड़ौदा में स्थित है, और जिसका रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4664, दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 19-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1974

निर्देश सं० 3103/73-74 '—यतः', मुझे ए० राघवेन्द्र
राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आलण्डुडि तालुका, आलण्डुडि गांव में नया
सर्वे सं० 94-2 (0.88 सेण्ट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, आलण्डुडि में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अर्तन 29 दिसम्बर, 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोहम्मद युसुफ राउतर, गुलाम मैतीन राउतर, मैयड
अब्बास राउतर,
मैयड अब्बास राउतर, मैयड इब्राहिम राउतर और मोहम्मद
इब्राहिम राउतर, आलण्डुडि। (अन्तरक)

2. श्री पी० के० एस० खादर साहेब, राउतर, आलण्डुडि
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचि जिला, आलण्डुडि में ओर सं० 13 में भूमि (मकान
के साथ) जिनका नया सर्वे सं० 94-21 है।

ए० राघवेन्द्र राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख 27-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1974

निर्देश सं० 2108/73-74—यस, मुझे, ए० राघवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नया टी० एस० 1205 (भाग) टी० एम० वाई सं० 1, (19 सेण्ट) कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० बी० वेन्कटेशन, सी० बी० श्रीनिवासन, सी० बी० सुरेश, 1, आर्ट्स कालेज रोड, कोयम्बतूर। (अन्तरक)

2. श्रीमती एम० अयिमा, खानि अम्माल, 7/17 स्टेट बैंक रोड, कोयम्बतूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, हुजूर रोड में 19 सेण्ट का भूमि, जिसका नया टी० एम० सं० 1205 (भाग) (टी० एम० वाई सं० 1)।

ए० राघवेन्द्र राव,
मक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास।

तारीख 27-7-1974
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1974

निर्देश सं० 2124/73-74—यतः, मुझे ए० राघवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रुपये से अधिक है और जिसकी और जिसकी सं० "रिज होटल" कनूर है, जो कनूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कनूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—246GI/74

1. दि रिज प्राइवेट लिमिटेड, 199 चर्चगेट, रिक्लमेशन, बम्बई-20 । (अन्तरक)

2. दि है फील्ड टी ऐण्ड रबबर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, कनूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कनूर में रिज होटल (भूमि मकान, आवश्यक यन्त्र के साथ)
7.00 5/16 एकर) मिजका आर० एस० सं० 911/1 और 912

ए० राघवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 27 जुलाई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 जुलाई 1974

निदेश सं० 25-एम०/एक्यू०—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 31 है जो मकन्दू गंज, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रतापगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पं० सुरेश बिहारी व अन्य (अन्तरक)

2. श्री मंगल प्रसाद व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका न० 31 है, मकन्दूगंज, प्रतापगढ़ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 20-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, III

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त 1974

निर्देश सं० 166/एफु० रेंज-III/74-75/हुगली—यतः, मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो मौजा दिघाग, थाना-मिरामपुर, जिला-हुगली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दि रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्सेज, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कैलाश चन्द्र सेनगुप्त, (2) श्री गणेश चन्द्र सेनगुप्त, (3) श्रीमती बेला सेनगुप्त, स्वामी कैलाश चन्द्र सेनगुप्त, सबका पता 16 यतिनदास रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

(2) श्रीमती कनकलता सेनगुप्त, स्वामी शैलेश चन्द्र सेनगुप्त, पानबाजार, गोहाटी, आसाम और 16 यमीन दास रोड, कलकत्ता का रहने वाला । सब लोग वैद्यघाट आइस एण्ड कोल्ड स्टोरेज नाम से चालू व्यवसाय के अंशदार हैं । भकरा कोल्ड स्टोरेज प्रा० लिमिटेड, 66 गणेश चन्द्र एभिन्नु, कलकत्ता-13 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

करीब 4 बीघा, 4 कट्ठा, 0 छटाक, 6 स्को० फुट जमीन जो मौजा दिघाग, जे० एल० 4, टोंजि० सं० 114, थाना सिगमपुर, जिला हुगली, अधुना 77/51, जी० टी० रोड, बडें 3 वैद्यघाट, म्युनिसिपैलिटी, थाना सिगमपुर, जिला हुगली पर अवस्थित साथ उस पर अवस्थित मकान, स्टाफ क्वार्टर्स, मेशिनरी, बरफ-प्लान्ट और आफिस आसबाब इत्यादि जो दलील सं० 7236 से रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्री हुआ ।

एल० के० बालसुब्रमनियन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता ।

तारीख : 2-8-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—II मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त, 1974

निर्देश सं० 2123/73-74—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 19, गोण्डालम्न कोयिल स्ट्रीट, यी रोड है, जो यीरोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यीरोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती तायारम्माल, 29, मादव कृष्णन स्ट्रीट, यीरोड।
(अन्तरक)

2. श्रीमती फविरि देवी और शा इन्दर मल, 19, गोण्डालम्न कोयिल स्ट्रीट, यीरोड।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यीरोड, गोण्डालम्न कोयिल, स्ट्रीट, डोर सं० 19, में 3089 सेण्ड का भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 140 है।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 6-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1974

निर्देश सं० 73/अर्जन/कानपुर/73-74/1346—यतः, मुझे आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 77/6 है जो कुली बाजार, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) आनन्द प्रकाश, (2) श्रीमती मुमन गुप्ता, (3) श्रीमती रेशमा गुप्ता, (4) श्रोम प्रकाश, नि० सभी 8/198, स्वरूप नगर, कानपुर। (अन्तरक)

2. मैसर्स भारतीय उद्योग द्वारा प्रताप चन्द पार्टनर, 77/6, कुली बाजार, कानपुर। (अन्तरिती)

3. (1) श्री बिन्दा चरन गुप्ता, नि० 77/5, कुली बाजार, कानपुर, (2) श्री चमन लाल अग्रवाल, 112/210, स्वरूपनगर, कानपुर, (3) श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता, 16/359-ए०, कुली बाजार, कानपुर। (4) मैसर्स धर्मचन्द द्वारिका धाम, 17/6, कुली बाजार, कानपुर। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान जिसका म्युनिसिपल न० 7716 कुलीबाजार कानपुर (स्थित) जिसका हस्तांतरण 75000-०० में हुआ।

आई० खोखर,
नक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 1-8-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/949/1952/74-75—यत मुझे वि० र० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट 6, सेक्टर "बी" है, जो चेम्बूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

1. श्रीनगर को० ग्राम० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड,
(अन्तरक)

2. सी० एच० रामनाथ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर, चेम्बूर में स्थित मौजूद एव पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर "बी" का उप प्लॉट सं० 6 धारण किए हुए है एव प्रस्तावित सड़कों एवं बगीचों के काम में आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 616 वर्गगज यानी कि 514-976 वर्गमीटर है, जो प्लॉट माप से करीब 16,266-00 गज के भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उप-प्लॉट निम्न-प्रकार से घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर में या और अन्तरक श्रीनगर को० ग्राम० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड की जायदाद सेक्टर "अ", दक्षिण में या और 30 फीट सेक्टर "बी" का सर्विस रोड। पूर्व में या और सेक्टर "बी" का प्लॉट सं० 5। पश्चिम में या और सेक्टर "बी" का प्लॉट सं० 7।

वि० र० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख . 5 अगस्त, 1974।

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/948/1951/74-75—यतः मुझे,
वि० र० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई, आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 4, सेक्टर "बी" है, जो चेम्बूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
26-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीनगर को-आप० हाऊसिंग सोसाएटी लिमिटेड
(अन्तरक)
2. गोविंद मन्जुनाथ कामथ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री
उप-जिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उप नगर के पेस्टम सागर,
चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर "बी" का
उप-प्लॉट क्र० 4 धारण किए हुए है एवं प्रस्तावित सड़कें एवं
बगीचों के काम आने वाले क्षेत्र के अतिरिक्त माप से 616 वर्ग गज
यानी कि 514-976 वर्गमीटर है, जो प्लॉट माप से करीब 16-
266-00 वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित
उप प्लॉट निम्न प्रकार से घिरा हुआ है : अर्थात्—उत्तर में
या और अन्तरक श्रीनगर सोसाएटी का सेक्टर "अ"।
दक्षिण में य और 30 फीट सेक्टर "बी" श्रीनगर सोसाएटी
का सविस रोड। पूर्व में या और सेक्टर "बी" का प्लॉट क्र० 3।
पश्चिम में या और सेक्टर "बी" का प्लॉट क्र० 5।

वि० र० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/947/1950/74-75—यतः, मुझे वि० र० गुप्ते सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 3, सेक्टर “बी” है, जो चेम्बर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीनगर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड (अन्तरक)
2. श्री सी० एच० रामकृष्णन् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर चेम्बर में स्थित एवं पड़ा हुआ जो कि सेक्टर “बी” का उप प्लॉट क्र० 3 धारण किए हुए है एवं प्रस्तावित सड़कें एवं बगीचों के काम में आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त माप से 624 वर्ग गज यानी कि 521-664 वर्गमीटर है जो प्लॉट माप से करीब 16-266-00 वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उप प्लॉट निम्न-प्रकार से विरा हुआ है। अर्थात्—उत्तर में या ओर अन्तरक श्रीनगर सोसायटी का सेक्टर “अ”, दक्षिण में या ओर 30 फीट सेक्टर “बी” श्रीनगर सोसायटी का सर्विस रोड, पूर्व में या ओर 30 फीट सेक्टर “बी” श्रीनगर सोसायटी का सर्विस रोड, पश्चिम में या ओर सेक्टर “बी” का प्लॉट क्र० 4।

वि० र० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/907/1904/74-75—अतः, मुझे, वि० र० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए में अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 12 सेक्टर "बी" है, जो चेम्बूर, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीनगर को-आप० हाऊसिंग सोमाइटी लिमिटेड ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दुमती एच० पुरन्वरे । (अन्तरिती)

5—246GI/74

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है एवं प्रस्तावित सड़कों एवं बगीचों के काम में आने वाले क्षेत्र के अतिरिक्त माप से 750 वर्गगज यानी कि 627 वर्गमीटर है, जो प्लॉट माप से करीब 16,266.00 वर्गगज के भूमी के बड़े टुकड़े का भाग है । यह वर्णित उप-प्लॉट निम्न प्रकार से घिरा हुआ है : अर्थात्

उत्तर में या ओर 30 फीट सर्विस रोड ।

दक्षिण में या ओर 90 फीट निर्धारित रोड ।

पूर्व में या ओर ले आऊट स्कीम के सेक्टर "बी" का प्लॉट क्र० 13 ।

पश्चिम में या ओर ले आऊट स्कीम के सेक्टर "बी" का बगीचा ।

वि० र० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई ।

तारीख : 5 अगस्त, 1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

: 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/906/1903/74-75—अतः मुझे, वि० र० गुप्ते-सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थायी सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 5 'सेक्टर "बी"' है, जो चेम्बूर, में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (i) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीनगर को० आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड।
(अन्तरक)

2. श्री एम० रामस्वामी।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला, बम्बई नगर एवं उपनगर के वेस्टम सागर, चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर "बी" का उप प्लॉट क्र० 5 धारण किए हुए है एवं प्रस्तावित सड़के एवं बगीचों के काम में आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 616 वर्गगज यानी कि 514-976 वर्गमीटर है जो प्लॉट माप से करीब 16,266.00 वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उप-प्लॉट निम्न-प्रकार से घिरा हुआ है : अर्थात्—

उत्तर में या और अन्तरक श्रीनगर सोसाइटी का सेक्टर "अ"।

वर्षिण में या और 30 फीट सेक्टर "बी" श्रीनगर सोसाइटी का सर्विस रोड।

पश्चिम में या और सेक्टर "बी" का प्लॉट क्र० 4।

पूर्व में या और सेक्टर "बी" का प्लॉट क्र० 6।

वि० र० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जेंट रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/905/1902/74-75—अतः मुझे वि० र० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेंट रेंज 2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सख प्लाट सं० 13 सेक्टर "बी" है, जो चेम्बूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीनगर को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड।
(अन्तरक)
2. श्री पी० ए० नारायणन्।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर "बी" उपप्लाट क्र० 10 धारण किए हुए है एवं प्रस्तावित सड़क एवं बगीचों के काम में आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 875 वर्गगज यानी कि 731-50 वर्गमीटर है, जो प्लाट माप से करीब 16,266.00 वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उपप्लाट निम्न प्रकार से घिरा हुआ है : अर्थात्—उत्तर में या ओर सेक्टर "बी" श्रीनगर को-आप० हाऊ० सो० लिमि० का 30 फीट सविस रोड़। दक्षिण में या ओर निर्धारित 90 फीट रोड़ 1 पूर्व में या ओर ले आऊट स्कीम का प्लाट नं० 141 पश्चिम में या ओर ले आऊट स्कीम का प्लाट नं० 12।

वि० र० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जेंट रेंज 2 बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रकृ. आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/904/1901/74-75—यतः मुझे, वि० र० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 10 सेक्टर "बी" है, जो चेम्बूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीनगर को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड। (अन्तरक)
2. श्री जी० आर० वारियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के प्लॉट सागर, चेम्बूर में स्थित मौजूद पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर "बी" उपप्लॉट क्र० 10 धारण किए हुए है एवं प्रस्तावित सड़क एवं बगीचों के काम में आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 694 वर्गगज यानी कि 680-184 वर्गमीटर है जो प्लॉट माप से करीब 16,266.00 वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उपप्लॉट निम्न प्रकार से घिरा हुआ है: अर्थात्—उत्तर में या ओर ले आऊट स्कीम का उपप्लॉट क्र० 9। दक्षिण में या ओर ले आऊट स्कीम का उपप्लॉट क्र० 11। पूर्व में या ओर सेक्टर "बी" का 30 फीट सर्विस रोड / पश्चिम में या ओर ट्रस्ट की जायदाद।

वि० र० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 5 अगस्त, 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/903/1900/74-75—अत मुझे, वि० र० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 2 सेक्टर "बी" है, जो चेम्बूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बमाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बमाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीनगर को० आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड।
(अन्तरक)
2. श्री पी० एम्० चक्रवर्ति
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर, चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर "बी" का उपप्लॉट क्र० 2 धारण किए हुए है, एवं प्रस्तावित सड़कें एवं बगीचों के काम में आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 684 वर्गगज यानि कि 571-824 वर्गमीटर है जो प्लॉट माप से करीब 16,26,600 वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उपप्लॉट निम्न प्रकार में घिरा हुआ है : अर्थात्—

उत्तर में या ओर ले आऊट स्कीम का उपप्लॉट क्र० 10।

दक्षिण में या ओर ले आऊट स्कीम का बगीचा।

पूर्व में ओर सेक्टर "बी" का 30 फीट सविम रोड।

पश्चिम में या ओर ट्रस्ट की जायदाद।

वि० र० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/911/1908/74-75—यतः, मुझे, बि० आर० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 186 टी० पी० एस० नं० 2 सी० टी० सं० नं० 1613 है, जो विलेपार्ले (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवानजी रामजी पटेल, 2. राजाभाई भगवानजी पटेल, 3. कानजी भगवानजी पटेल, 4. पान्चाभाई भगवानजी पटेल ।

(अन्तरक)

2. बिलेश्वर दर्शन को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

3. मेम्बरस (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग साथ में उस परस्थित गृह-वाटिका मकान अथवा निवास-गृह सहित जो कि बृहत्तर बम्बई क्षेत्र में रजिस्ट्री जिला बम्बई उपनगर, रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा के दीक्षित रोड, विलेपार्ले (पूर्व) में स्थित, मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि टाऊन प्लानिंग स्कीम क्र० 2, 1 विलेपार्ले का प्लॉट क्र० 186 धारण किए हुए है, माप से 947-30 वर्गमीटर यानी कि 1133 वर्गगज के समकक्ष या लगभग है तथा विलेपार्ले तालुका अंधेरी का शहर सर्वेक्षण क्र० 1613 धारण किए हुए है एवं म्युनिसिपल "के" वार्ड क्र०-374 (1 एवं 2) दीक्षित रोड का गली क्र० 13 एवं 13 ए धारण किए हुए है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है अर्थात्:—

पूर्व में या ओर बसन्तीदेवी प्रल्हादराय दालमिया को जायदाद ।

पश्चिम में या ओर म्युनिसिपल नाला और उसपार टी० पी० एस० नं० 2 का अंतिम प्लॉट नं० 187 ।

उत्तर में या ओर दिक्षित रोड नाम से ज्ञात पब्लिक रोड ।

दक्षिण में या ओर टी० पी० एस० नं० 2 का अंतिम प्लॉट नं० 183 को जायदाद द्वारा ।

बि० आर० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख : 6 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 6 अगस्त 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/909/1906/74-75—यतः मुझे,
वि० र० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,
बम्बई, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 186 टी० पी० एम० न० 2 सी० टी० सं० न० 1613 है, जो बिलेपाल्ले (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई 1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहनलाल कामुदेव सिगटिया । श्रीमती गिलाकुमारी मोहनलाल सिगटिया । (अन्तरक)

2. सर्वश्री पान्चाभाई भगवानजी पटेल, 2. कान्जीभाई भगवानजी पटेल, 3. राजाभाई भगवानजी पटेल, 4. भगवानजी रामजी पटेल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि या मंदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग साथ में उस पर स्थित गृहवाटिका मकान अथवा निवास गृह सहित जो कि बृहत्तर बम्बई क्षेत्र में रजिस्ट्री जिला बम्बई उपनगर, रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा के दीक्षित रोड, बिलेपाल्ले (पूर्व) में स्थित, मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि टाऊन प्लानिंग स्कीम क्र० 2, बिलेपाल्ले का प्लॉट क्र० 186 धारण किए हुए है, माप से 947-30 वर्गमीटर यानी कि 1133 वर्गगज के समकक्ष या लगभग है बिलेपाल्ले तालुका अर्धेरी का शहर सर्वेक्षण क्र० 1613 धारण किए हुए है एवं म्युनिसिपल "के" वर्ड क्र० 374 (1 एवं 2) दीक्षित रोड का गली क्र० 13 एवं 13ए धारण किए हुए है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है अर्थात्— पूर्व में या और बंसीदेवी प्रल्हादराय दाममिया की जायदाद । पश्चिम में या और म्युनिसिपल नाला और उम पार टी० पी० एस० नं० 2 का अंतिम प्लॉट नं० (187) ।

उत्तर में या और दिक्षित रोड नाम से ज्ञात पब्लिक रोड ।

दक्षिण में या और टी० पी० एस० नं० 2 का अंतिम प्लॉट नं० 183 की जायदाद द्वारा ।

वि० र० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 6, बम्बई

तारीख : 6-8-1974

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अर्जन ई० सं० 3/394/74-75—यन: मुझे, आर० जी० नेरूकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी प्लॉट सं० 169 और सर्वे 16 (अंश) है, जो पहाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स लक्ष्मी अससेटस प्राइवेट लिमिटेड, श्रीनिवास हाऊस, वाडबाय रोड, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरक)

2. श्री नटवरलाल सोमानी, अग्रवाल निवास इलाक नं० 3, मातुंगा तेलंग रोड, बम्बई-19। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती धारा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही बर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० 169 गांव पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरीवली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई उपनगर अभी बृहत्तर बम्बई में स्थित और मौजूद है और जिसका सर्वेक्षण नं० 161 (अंश) और माप में 830 वर्गगज समकक्ष 693-96 वर्गमीटर या आसपास है और इस प्रकार विरा है अर्थात् :—

पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़ा मार्ग द्वारा।

पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 172 द्वारा।

उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 170 द्वारा।

दक्षिण की ओर से प्लॉट नं० 168 द्वारा।

आर० जी० नेरूकर,

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 2-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अर्जन ई० सं० 3/394/74-75—यत. मुझे, आर० जी० नेरूकर, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 169 और सर्वे० 16 (अंश) है, जो पहाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सक्षम रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शर्तों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—246 GI/74

1. मेसर्स लक्ष्मी असबेसटस प्राइवेटस लिमिटेड, श्रीनिवास हाऊस, वाडबाय रोड, फोर्ट, बम्बई-1 (अन्तरक)

2. श्री नटवरदास सोमानी, अग्रवाल निवास, ब्लाक न० 3 माटुंगा, तेलंग रोड, बम्बई-19। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लॉट न० 169 गांव पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरीवली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई उपनगर अभी बृहत्तर बम्बई में स्थित और मौजूद है और जिसका सर्वेक्षण न० 161 (अंश) और माप में 830 वर्गगज समकक्ष 693-96 वर्गमीटर या ग्रामपाम है और इस प्रकार धिरा है अर्थात् :—

पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा।

पश्चिम की ओर से प्लॉट न० 172 द्वारा।

उत्तर की ओर से प्लॉट न० 170 द्वारा।

दक्षिण की ओर से प्लॉट न० 168 द्वारा।

आर० जी० नेरूकर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 2-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त, 1974

निदेश सं० अर्जन ई० सं० 3/395/74-75—यतः मुझे, आर० जी० नेरुकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 154 और सर्वे० सं० 161 है, जो पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स लक्ष्मी असवेमटम प्राइवेट लिमिटेड, श्रीनिवास हाऊस, वाडबाय रोड, फोर्ट, बम्बई-1 (अन्तरक)

2. श्री हरीमोहन मुन्दा, केअर आफ विजय ट्रेडिंग कार्पोरेशन, 21 ए, ब्राम्हणवाडा रोड, विष्णु भवन, किंगज सर्कल, बम्बई-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 154, सर्वे० सं० 161, एम० जी० रोड, बान्गु नगर, गोरेगांव (पश्चिम), माप में 693-84 वर्गमीटर समकक्ष 830 वर्गगज।

आर० जी० नेरुकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 2-8-1974
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त, 1974

निदेश सं० अर्जन ई० सं० 3/396/74-75—यतः मुझे, आर० जी० नेरुरकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 184 सर्वे सं० 16 (अंश) है, जो पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सब रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 19 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स लक्ष्मी असवेस्टम प्राइवेट लिमिटेड, श्रीनिवास हाऊस, वाडबाय रोड, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरक)

2. श्री सागरमल सेधीया, श्री कथेहचंद कुंडालिया केअर आफ सी० सेधीया एण्ड कं० फारेबीज स्ट्रीट, बम्बई-1 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या जमीन का भाग या जमीन जिसका प्लॉट नं० 184, जो गांव पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरीवली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर, अग्नी बृहत्तर बम्बई में स्थित और मौजूद है जिसका क्रमांक 161 (अंश) और माप में 850 वर्ग गज समकक्ष 710-70 वर्ग मीटर है और इस प्रकार घिरा है :—अर्थात्—पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़े रोड द्वारा, पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 187 द्वारा, उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 185 द्वारा, दक्षिण की ओर से अंशतः प्लॉट नं० 183 और अंशतः प्लॉट नं० 188 द्वारा।

आर० जी० नेरुरकर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 2-8-1974
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि०आर० 62/2013/73-74/एसी क्यू० (बी)—
यतः, मुझे, आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० म्थावर सम्पत्ति नं० 42, 53, और 52 43
है, जो इन्डस्ट्रियल सबर्ब, राजाजीनगर, बैंगलूर (अनुसूची
में पूरा विवरण दिया गया है) में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बैंगलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 22 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती एन० कामेश्वरी पत्नी एन० जयराम,
- (2) जे० राजाराम,
- (3) जे० काशीनाथ,
- (4) श्रीमती जे० रमा देवी,

(5) जे० कमला,

(6) जे० विमला, नं० 550, VIII मैन रोड,
मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3,

(7) जे० कल्याणी पत्नी नागराजन, नं० 51,
13 क्रॉस, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-1।

(8) जे० जयलक्ष्मी पत्नी श्री गोपाल, नं० 550,
VIII मैन, मल्लेश्वरम, बैंगलूर। (अन्तरक)

2. मैं बैंगलूर ग्राइल और केक इन्डस्ट्रीज (पी०)
लिमिटेड, I मैन रोड, एन० टी० पेट, बैंगलूर-2
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. सैंट नं० 42 और 53 जिसकी सीमा है

$$100' \times \frac{392+390-2}{2},$$

शेड्स, गोडाउन्स, इमारतें, आफिम रूम, स्टोर
रूम, बाइलर, पेड़, बावड़ी, वाटर कनेक्शन्स, इलैक्ट्रिक
कनेक्शन्स, फिटिंग्स, फिक्सचर्स और अन्य मशीनें समेत।

2. सैंट नं० 43 व 52 जिसकी सीमा है

$$100' \times \frac{392+393}{2},$$

शेड्स, गोडाउन्स, इमारतें, आफिम रूम, स्टोर रूम,
बाइलर, पेड़, बावड़ी, वाटर कनेक्शन्स, इलैक्ट्रिक, कनेक्शन्स,
फिटिंग्स, फिक्सचर्स और अन्य मशीनें समेत।

आर० क्रिष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक : 22 जुलाई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि० आर-62/2222/73-74—यतः, मुझे, आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बैंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भूक अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डी० सैयद इस्माईल, न० 28, सैन्ट जान्स चर्च, रोड, बैंगलूर (अन्तरक)
2. श्री जी० रामध्या रेड्डी, न० 157, डोमलूर, बैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर, जिसकी सीमा $59' \times \frac{59+41}{2}$ है।

आर० क्रिष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक : 9 जुलाई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 2 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/2021/73-74 ए० सी० क्यू० (बी०)—यतः, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 19 है, जो आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमंड, टाउन, बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1973 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शान्त शोला बी० शेटी w/o के० बी० शेटी, नं० 6, आशले पार्क, महात्मा गान्धी रोड, बंगलौर,

(2) सरोजिनी एम० हेगडे पत्नि श्री मोहनदास एन० हेगडे, नं० 37-8, कनिमाहन्थाम क्रास रोड, बंगलौर (अन्तरक)

2. श्री सैय्यद अब्दुल रहीद साहेब, नं० 88, न्यू बेम्बू बाजार, बंगलौर सिटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 19, आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमंड टाउन, बंगलौर।

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर।

दिनांक 2 जुलाई 1974।
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/2020/73-74 एक् यू० (बी०)
—यतः, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) बेंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 18 है, जो आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमण्ड
टाउन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजी नगर, बेंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शान्ता जीला बी० शेट्टी पत्नि के० बी०
शेट्टी, नं० 6, आशाने पार्क, महात्मा गान्धी
रोड, बेंगलूर

(2) मरोजिनी एम० हेगडे, पत्नि श्री मोहनराम
एन० हेगडे, नं० 37-8, कतिन्नहमाम, काम रोड,
बेंगलूर (अन्तरक)

2. श्री अनीउर-रहमान माहेब, ताज होटल, ओल्ड पुर
होम रोड, बेंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भारत की खुली जगह नं० 18, आलबर्ट स्ट्रीट, रिच-
मंड टाउन, बेंगलूर

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर।

दिनांक 2 जुलाई 1974 .

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज,

बैंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/1994/73-74/एन० (बी०)—
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त,
(निरीक्षण), बैंगलूर
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 136 है, जो ओल्ड तालुक कचेहरी रोड,
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 दिसम्बर,
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इशक यूसुफ, न० 54, नावैली रोड, सिविल
स्टेशन, बैंगलूर, (अन्तरक)

2. श्रीमती गुलबानू रजाक, न० 10, न्यू है स्कूल रोड,
विश्वेश्वरपुरम, बैंगलूर-4 (अन्तरिती)

3. मै० के० एच० शामा राव एण्ड सन्स, 136, ओ० टी०
सी० रोड, बैंगलूर मिटी। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति न० 136, ओल्ड तालुक कचेरी रोड,
बैंगलूर सिटी।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर।
एस० ए० आर।

दिनांक 9 जुलाई 1974।
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज,

बैंगलूर, दिनांक 11 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1992/73-74/एक्यू० (बी०)---
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त,
(निरीक्षण) बैंगलूर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 79/2 है, जो नन्दीदुर्ग रोड, बैंगलूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर
बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-246 GI/74

1. श्री आर० दण्णय, सं० 157, डोमलूर, बैंगलूर
(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्गम्मा पत्नी श्री शिवशङ्करप्पा पाटिल
नेहरू गंज, गुलबर्गा (अन्तरिती)

3. श्री आर० सी० मनचन्द्रा, 79/2, नन्दीदुर्ग रोड,
बैंगलूर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 79/2, जो नन्दीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित
है।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक : 11 जुलाई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज,

बैंगलूर दिनांक 11 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1990/73-74/एक्यू० (बी०)---
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 79/4 है, जो नन्दीदुर्ग रोड, बैंगलूर-6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री आर० गुरू रेड्डी, नं० 157, डोमसूर, बैंगलूर (अन्तरक)

2 श्रीमती प्रमिला बैयहट्टी, गुरुत्री श्री चन्द्रच्चा पाटेल, नं० 20 कम्पूरवा रोड, बैंगलूर (अन्तरिती)

3 श्री टी० जी० मैथ्यू (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान नं० 79/4 जो नन्दीदुर्ग रोड, बैंगलूर-6 में स्थित है।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक : 11 जुलाई 1974।

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय,

बंगलूर दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि० आर० ए० 62/1989/73-74—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिगकी सं० 79 है, जो ननदीनुरंग रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री आर० गुरु रेड्डी, सं० 157, डोमलूर, बंगलूर (अन्तरक)

2 श्री सैयद अब्दुल हफीज, सं० 1-ग, बोर ग्यान्क रोड, बंगलूर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 79, ननदीनुरंग रोड, बंगलूर (बेनसन क्रॉस रोड के अंकित) जिसकी सीमा $45' \times \frac{72' + 60'}{2}$ है।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक : 9 जुलाई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1989/73-74/एक्यू० (बी०)---
यत, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्री डी० सैम्यद इस्माईल, नं० 28, सैन्ट जॉन्स चर्च रोड, बैंगलूर (अन्तरक)

2 श्री आर० दशरथ, नं० 157, डोमलूर, बैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर जिसकी सीमा 39' 9" × 65' 6" है।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर।

दिनांक : 9 जुलाई 1974

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी आर० 62/1988-सी०/73-74—यतः, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सैय्यद इस्माईल, नं० 28, मॅन्ट जॉन्स चर्च रोड, बंगलूर (अन्तरक)

2. श्री आर० राघव रेड्डी, नं० 157, डोमलौर, बंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुसी जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बंगलूर जिसकी सीमा 59'X50' है।

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9 जुलाई 1974।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज भोपाल का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 5 मिनम्बर 1974

निर्देश सं० एम० आर० इन्दौर 15-12-73—यतः, मुझे एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 69 काटजू कालोनी इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधेश्याम पुत्र श्रीहरिप्रोमल 10/6 जवाहर मार्ग, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री घनश्याम दास पुत्र श्री श्री छत्ताराम 10/6 जवाहर मार्ग, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलट सं० 69 काटजू कालोनी इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, भोपाल

तारीख 5-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

बैंगलूर दिनांक 9 जुलाई, 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1988-बी/ 73-74 यत, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता

अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन 14-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री श्री० मैयद इस्मार्शल न० 28, सेंट जोन्स चर्च रोड बैंगलूर (अन्तरक)

2 श्री आर० राघव रेड्डी न० 157 टॉमलर बैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर जिसकी सीमा 46' 5"—45' है।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 9-7-1974

मोहर :—

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1988 ए/73-74—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ती, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री डी० सैयद इम्माईल नं० 28, सैन्ट जान्स चर्च रोड, बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री आर० राघव रेड्डी नं० 157, डोमलूर, बैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर जिसकी सीमा $59'9'' \times 45' + 35'$ है।

2

आर० कृष्णमूर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 9-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

बैंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश सं० सी० आर० 62/1987 डी/73-74 एक्यू० (बी)
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ती, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड बैंगलूर में स्थित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-12-1973 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बान्त्विक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-246 GI/74

1 श्री डी० सैयद इस्माईल न० 28, सेन्ट जोसे चर्च रोड,
बैंगलूर-1 (अन्तरक)

2 श्री आर० एरू रेड्डी न० 157 डोमलूर, बैंगलूर-7
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर जिसकी सीमा
59' × 50' है।

आर० कृष्णमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 9 जुलाई, 1974
माहर —

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलौर

बैंगलौर दिनांक 9 जुलाई, 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1987-सी०/73-74 एक्कू० (बी)
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ती सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैंगलौर आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलौर में भारतीयरजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
का अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डी० सैयद इम्माईल नं० 28, सैन्ट जॉन्स चर्च रोड,
बैंगलौर (अन्तरक)
2. श्री आर० गुरु, रेड्डी नं० 157 डोमलूर बैंगलौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर सिटी सीमा 45'
46, 6" है।

आर० कृष्णमूर्ती

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज बैंगलौर

तारीख :— 9 - 7 - 1974

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय,

बैंगलूर दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि० आर०-62/1987-बी/73-74 एसीक्यू० (बी)।—
यतः, मुझे, आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बैंगलूर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 79
है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
द्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० सैयद हस्माईल, नं० 28, सैन्ट जोन्स चर्च रोड,
बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री आर० गुरु, रेड्डी, नं० 157, डोमलूर, बैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड बैंगलूर जिसकी सीमा
46'6" ई 59' है।

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 9 जुलाई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि० आर०-62/1987-ए/73-74--यतः,
मझे, आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 3 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. श्री डी० सैयद इस्माईल, नं० 28, सैन्ट जान्स चर्च रोड,
बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री बी० गुरु रेड्डी, नं० 157, डोमलूर, बैंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर, जिसकी
मीमा 41' × 59' है।

आर० क्रिष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक : 9 जुलाई 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर दिनांक 9 जुलाई, 1974

निर्देश सं० सि० आर०-62/1987/73-74—यतः, मुझे,
आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज बैंगलूर आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी
स० प्लॉट नं० 79 है, जो नन्दीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-निर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० सैयद इस्माईल, न० 28, सैंट जोन्स चर्च रोड,
बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री जी० रामय्या रेड्डी, न० 157, डोमलूर, बैंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० 79, नन्दीदुर्ग रोड, बैंगलूर जिनकी सीमा
40' X 65½' ।

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

तारीख : 9 जुलाई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 जुलाई, 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1980/73-74 ए०सी०क्यू० (बी०) यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बेंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 79/3 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बेंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. आर० राघव रेड्डी, नं० 157, डोमलूर बेंगलूर-7 (अन्तरक)

2. श्रीमती एम० मजमा बेगम पत्नी डा० जमील अहमद, नं० 79/3, ननदीदुर्ग रोड, बेंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 79/3, ननदीदुर्ग रोड, बेंगलूर।

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख:— 11-7-1974

मोहर :—

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 16 जुलाई, 1974

निर्देश स० सी० आर० 62/1974/ 73-74 ए० (बी)
यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
बेंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
और ज़िम्मेदारी सं० 17 ए है, जो कुमाराकृपा रोड, बेंगलूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बेंगलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री के० एस० भानू, (2) मूरली भानू अवयस्क द्वारा
समरक्षक श्री के० एस० भानू नं० 6, श्री कृष्ण" 1 काम, जयमहल
एकमेशन, बेंगलूर - 6 (अन्तरक)

2. श्री मती परमिला देसाई डा० पि० आर० देसाई हेल्थ
एण्ड फैमिली प्लानिंग सर्विसेस एण्ड इनवेस्टमेंट (पी) लिमिटेड
नं० 441 कुमारा कृपा रोड, बेंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 17ए कुमाराकाट के और, कुमारा कृपा रोड
है ग्रीन्डस, बेंगलूर ज़िम्मेदारी सीमा $77 \times \frac{53+111}{2}$

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

तारीख :— 16-7-1974

मोहर :—

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 16 जुलाई, 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1973/73-74/एक्यू० (बी)—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बंगलौर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० 17 है, जो कुमारकाट ले आउट, कुमार कृपा रोड, बंगलौर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बंगलौर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० एस० भानू

(2) मुरली भानू प्रबयस्क द्वारा संरक्षक श्री के० एस० भानू,
नं० 6, "श्री कृष्ण" जयसहन एक्स्टेंशन, बंगलौर-6 (अन्तरक)

2. श्रीमती परिमला देसाई आफ पी० आर० देसाई, हेल्थ
एण्ड फैमिली प्लानिंग सर्विसेस एण्ड डेवेलपमेंट्स (पी) लिमिटेड
नं० 44, कुमाराकृपा रोड, बंगलौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 17, कुमाराकट ले आउट कुमाराकृपा रोड,
है ग्राउन्ड्स, बंगलौर ज़िमकी सीमा 60 फीट × 40 फीट है।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख :— 16-7-1974

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलौर

बैंगलौर, दिनांक 16 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1972/73-74 ए० (बी)—यतः
 मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलौर
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269-ब
 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी
 सं० 9 है, जो कुमारा कृपा रोड बैंगलौर में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलौर में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
 यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
 है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
 नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
 के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
 के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
 गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
 नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
 9—246GI/74

1. श्री के० एस० असोक (2) अरविन्द असोक सेशादी
 अवयस्क द्वारा मरक्षक के० एस० असोक नं० 6 कुमाराकाट कुमारा-
 कृपा रोड, है ग्राउन्ड्स, बैंगलौर । (अन्तरक)

2. श्रीमती परिमला देमाई डा० पी० आर० देमाई हेल्थ एण्ड
 फॅमिली प्लानिंग सर्विसेस एण्ड इन्वेस्टमेंट (पी) लिमिटेड
 नं० 44, कुमाराकृपा रोड, बैंगलौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
 के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
 कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
 और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
 है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
 व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
 की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जगह नं० 9 जो कुमाराकाट के आउट, कुमाराकृपा रोड,
 है ग्राउन्ड्स, बैंगलौर में स्थित है और जिसकी सीमा 40' x 70' है ।

आर० कृष्णमूर्ति
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलौर

तारीख : 16-7-1974
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP - 1045/74-75—
यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी न० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8054
दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो मकसूदपुर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नलनी दत्ता पत्नी श्री मयदेव दत्ता लाडोवाली
रोड, जालंधर तथा श्रीमती स्वतंत्र पत्नी श्री एस० पी०
कृष्णा, लाजपत नगर, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) मैमर्ज हीरो इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लि० द्वारा
जोइंट मैनेजर विजय सेठी मार्फत एस० पी० कारपोरेशन
11 शास्त्री मार्कीट, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोऽन्तर्गामी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोऽन्तर्गामी जानना है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोऽन्तर्गामी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8054 दिसम्बर,
1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 जून, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून, 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP-1046/74-75—यतः, मुझे,
डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8053
दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो मकसूदपुर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती लक्ष्मी देवी भारद्वाज पत्नी श्री पी० पी०
भारद्वाज मार्फत श्री शाम कुमार भारद्वाज पुत्र

श्री सतपाल भारद्वाज वासी सेंट्रल टाउन, जालंधर
मार्फत मैमर्ज सतपाल पंडित एंड कम्पनी, प्रापरटी
डीलर्स जालंधर। (अन्तरक)

(2) मैसर्स हीरो इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लिमिटेड,
जालंधर मार्फत श्री विजय मेठी जोइंट मैनेजर मार्फत
मैमर्ज एम० पी० कारपोरेशन, II, शास्त्री मार्केट,
जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8053 दिसम्बर,
1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख . 29 जून, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर दिनांक 29 जून, 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP-1047/74-75—यतः,
मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7991 दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो नजदीक टांडा रोड जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मनजीत सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह अमर सिंह सुपुत्र श्री संता सिंह, गांव रायपुर रसूलपुर तथा

बलबन्त सिंह सुपुत्र श्री साधू सिंह साधू सिंह सुपुत्र श्री संता सिंह, मौहल्ला कृष्णा नगर, नकोदार जिला जालंधर। (अन्तरक)

- (2) श्री गुरबकश सिंह, गुरदेव सिंह, सुपुत्र श्री अमर सिंह सुपुत्र श्री गैडा सिंह लम्बगदार गांव रेड्। (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7991 दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 29 जून, 1974
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

सं० एम्सआर० /जुल० /ए पी०-1048/74-75---
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7533 दिसम्बर 1973 में लिखा है जो गांव माहल सूबेदार में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स यूनिवर्सल लैंड एण्ड फाइनैस (प्रा०) लिमिटेड
दिलकुशा मार्केट, जालंधर मार्फत श्री नौनिहाल
मिह मैनेजिंग डाइरेक्टर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तेज कौर पत्नी श्री दशन मिह सुपुत्र श्री
लाभ मिह, गांव चरागर, तहसील जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है)।

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7533
दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में
लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 29 जून, 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून, 1974

निर्देश सं० ए एस आर०/जुल०/ए०पी०-1049/74-75
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी स० भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०
8289 दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो शहीद उधम सिंह नगर
जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर, 1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर
बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री श्रीमती चन्द सुपुत्र श्री अन्तर सिंह मार्फत श्री अन्तर
सिंह बोध राज सक्की मण्डी, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री सीता राम राधेश्याम सुपुत्रान मेहर चन्द सुपुत्र
नन्द लाल मार्फत मेसर्स सहदेव टूल, ई-72 इन्डस्ट्रियल
परिया, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता
है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8289
दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में
लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 9 जून, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP-1050/74-75—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8318 दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो मोहल्ला गुरगोपाल नगर, जालंधर में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनगूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री परमजीत सिंह और तजिंदर सिंह, अमृतपाल सिंह पुत्र श्री गुरगोपाल सिंह पुत्र श्री बरग्याम सिंह, गुरहा बहुला अब गांव दकोला तहसील जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री मेहगा सिंह बामी खैरा माजा तहसील जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षर जानता है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति यह सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8318 दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 जून, 1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP-1051/74-75—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8317 दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो मोहल्ला गुरगोपाल नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री परमजीन सिंह, तेजिन्द्र सिंह, अमृतपाल सुपुत्रान गुरगोपाल सिंह सुपुत्र वरियाम सिंह, गुडा ब्रेहंशा अब वाली गांव दकोला तहसील जालंधर। (अन्तरक)
- (2) प्रीतम सिंह सुपुत्र महंगा सिंह सुपुत्र कन्हैया सिंह वाली खैरा माझा तहसील जालंधर। (अन्तरिती)
- (3) जैगा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8317 दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 जून, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० सी० 32/आर०-II/कलकत्ता/74-75—
यतः मुझे आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी फ्लैट सं० 11 है, जो 8 ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ रेसुनेंस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के

अधीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—246 GI/74

श्री मुरलीधर जिन्डाल, 8 ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)।

श्रीमती शागदा देवी टांटिया, 8 ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता के फ्लैट सं० 11 (6 तल्ला) का अभिवाजित आधा हिस्सा।

आर० एल० बुटानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
पि-13, चौरंगी स्कवेयर, कलकत्ता-1।

तारीख : 30-8-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त, 1974

निर्देश सं० एमि-30/आर-कलकत्ता /74-75—यतः, मुझे आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 601 है, जो ब्लॉक-ओ न्यू आलिपुर, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, आलिपुर मंदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री स्वरूप कुमार जाना,

डाकघर और गांव—कोन्टार्ड, जिला—मेदिनीपुर।

अन्तरक

श्री सत्येन्द्रा नाथ मजुमदार,

718, ब्लॉक-एफ,

न्यू आलिपुर, कलकत्ता।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 601, ब्लॉक, ओ, न्यू आलिपुर, कलकत्ता में स्थित 3.78 कट्टाम नाप की खानी भूमि।

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 30-8-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर।

अर्जन रेंज II

प-13-चोरंगी स्क्वोर, कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए०मि०-29/आर-II/कलकत्ता/74-75—यत, मुझे
आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 107 है, जो अलिपुर रोड, मौजा चेतला, थाना
न्यू अलिपुर जिला 24 परगना में स्थित है और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जोयन्ट सब रजिस्ट्रार आफ अलिपुर बेहाला में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908—1908 का 16 के अधीन
14-12-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त
सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण
मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुप्रसन्ता दास, आलायम मुभाम चन्द्र दास,
स्वः गति लाल दाम का पुत्र।

(2) श्रीमती उषारानी दाम, स्वर्गीय गवी लाल दाम की
पत्नी।

(3) श्रीमती कमला दाम स्वर्गीय गवी लाल दाम की पत्नी,

(4) श्रीमती उमा रानी बसु, श्री अरुण कान्ती बसु की पत्नी
सब 242 एम० एन० राय रोड, थाना बेहाला, जिला 24
परगना का।

अन्तरक

श्री मोहन चन्द्र दत्ता, स्व० हरिपद दत्ता का पुत्र।

1, चेतला हाट रोड,

थाना—अलिपुर, जिला 24 परगना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

107 स०, अलिपुर रोड, मौजा चेतला, थाना न्यू अलिपुर,
जिला 24 परगना में स्थित 4 कट्टाम, 3 चिट्ठाक नाप का भूमि।

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II

पि-13, चोरगी स्कोयर, कलकत्ता-1

तारीख : 30-8-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1974

निर्देश सं० एस०आर/भोपाल 10/72-73—अनः मुझे श्री एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 84 है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबूलाल जैन (बिनोद) पुत्र श्री दौलतराम जैन चौक भोपाल (अन्तरक)

2. श्री बानामल पवइया पुत्र श्री श्रीपाल जैन चौक भोपाल (अन्तरिती)

3. श्री शिखर चंद जैन पुत्र श्री हुकमचंद जैन चौक भोपाल (म० प्र०) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसची

मकान न० 84 दो मंजिला जुमेराती, भोपाल

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP-1052/74-75—यन, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7715 दिसम्बर, 1973 को लिखा है जो धौल कलां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मतिन्दर सिंह पुत्र श्री नरिन्दर सिंह सरकारिया गांव धौल कलां नहसील और जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मेजर सिंह, जस्तैल सिंह, लखवीर सिंह, गुरनाम सिंह रणजीत सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह गांव खैराबाद

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिनमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7715 दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 जून, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 3 अगस्त 1974

निर्देश सं० ग० सि० 37/आर० II/कल/74-75—यतः मुझे
आर० एल० बुटानि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 8 ए० है, जो आलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित
है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और वर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार अफ एंजुमेंस कलकत्ता में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के
अधीन 28-12-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, एवं, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री राजीव जिंदल 8 ए, आलीपुर रोड, कलकत्ता। (अन्तरक)

श्री प्राणनाथ कश्यप फ्लैट न० 55, एमैमडर एपाइमेंट्स
16/ए, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)।

श्री राजीव जिंदल, 8 ए आलीपुर रोड, कलकत्ता (वह व्यक्ति/
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 8 ए आलीपुर रोड, कलकत्ता मकान के नाम
“जिंदल हाउस उतला, फ्लैट न० 12, इसका अधिभक्त आधा अंश।

वी० पी० मित्रल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 3-6-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मितम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर० इन्दौर 15-12-73—अतः, मुझे, एम० एफ० मुंशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 17 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमला बाई तुला परकर विघ्ना श्री भालचन्द्रा शास्त्री तुलापुरकर इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री गोपी नाथ राने पुत्र श्री राम चन्द्र राव राने मकान नं० 38 सिक्ख मुहल्ला इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में गद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मुनसीपल म० नं० 17, पलाट नं० 41, नारायण बाग कालोनी, इन्दौर (म० प्र०) ।

एम० एफ० मुंशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० एमि-35/आर-II/कलकत्ता/74-75-यन, मुझे
आर० एल० बुटानी आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 10/2, है, जो अलिपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता में
स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्स कलकत्ता
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 26-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषय स करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर
बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती शकुन्तला जैन
(2) श्री चम्पालाल जैन
2, राजा बुडमन्ट स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)
2. श्री रामानन्द श्रगरवाला,
8, मदन मोहन वर्मन स्ट्रीट,
कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10/2, अलिपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता में स्थित, 9 कट्टास,
5 चिट्ठाकस, 34 वर्गफीट नाप का जमीन का अभिवाजित पांच
का एक हिस्सा।

आर० एल० बुटानी,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, पि-13, चोरंगी स्कोयेर, कलकत्ता-1

तारीख : 30-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

अन्तरक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त, 1974

निर्देश सं० एसि-31/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे
आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी प्लॉट सं० 11 है, जो 8ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्स, कलकत्ता
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत चिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—246 G1/74

श्री मुरलीधर जिन्डाल,
8 ए०, अलीपुर रोड,
कलकत्ता ।

अन्तरिती

श्रीमती गिन्नी देवी टोंटिया,
8ए०, अलीपुर रोड,
कलकत्ता ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

8 ए०, अलीपुर रोड, कलकत्ता का प्लॉट सं० 11 (सात तला)
का अभिवाजित आधा हिस्सा ।

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

पि-13, चौरंगी स्कोयर, कलकत्ता

तारीख : 30-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एन० मि०-34/आर०-II/कलकत्ता/74-75—

यतः मुझे आर० एन० बुटानी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और ज़मीन सं० 10/2 है, जो आलिपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शकुन्तला जैन, (2) श्री चम्पालाल जैन, 2, राजा बुडमन्ट स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)
2. श्री श्रोमप्रकाश गुप्ता, 14-ए, सरकार लेन, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10/2 आलिपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता में स्थित, 8 कट्ठास, 5 चिट्ठास 34 वर्ग फीट नाम का, ज़मीन का आभिवाजि पांच में एक हिस्सा।

आर० एन० बुटानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, पि-13, चोरंगी स्कोयर, कलकत्ता-1

तारीख : 30-8-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1974

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/फ़ेब० II/1673/74-75/2508—यन०, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 28-ए है, जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० आन्ध्रा प्रदेश इलेक्ट्रिकल इन्क्यूपमेंट का०, प्रो० मै० इलेक्ट्रिक कामट्रकेशन एण्ड इन्क्यूपमेंट कं० लि०, 28-ए, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. कुमारी कल्पना जाजू (नाबालिग) अपने पिता व गार्जियन श्री आर० एन० जाजू द्वारा, निवासो 7, श्री राम रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. मै० बर्मा ग्रील ग्रायल स्टोरेज व डिस्ट्रीब्यूटिंग कं०, 28-ए, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आयवाद नं० 28-ए, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली की अर्नैक्सी-2, की पहली मंजिल में 250 वर्ग फुट जगह तथा भूमि में अविभाजित 1/120वां हिस्सा तथा 1/120 वां हिस्सा अन्य चीजों में जैसे कि बाथरूम, लिफ्ट व एयर कन्डीशन यूनिट आदि-आदि।

डी० बी० लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 6 सितम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर० देवाम—अतः, मुझे, एम० एफ० मुंशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 132 है, जो कालू खेड़ी देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-12 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री नारायण सिंह पुत्र रघुनाथ सिंह (2) मनोहर सिंह पुत्र हरि सिंह (3) मोहन सिंह पुत्र हरि सिंह राधा गंज देवास (अन्तरक)

2. मेसर्स स्टील टर्नम आफ इंडिया प्रा० लिमिटेड 27/34 इंडस्ट्रियल स्टेट पोली ग्राउन्ड इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम कालू खेड़ी के खाते पैकी सं० न० 132/1 पैकी रकब 4.66 लगान रुपए 13.56।

एम० एफ० मुंशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 3-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई, 1974

निर्देश सं० ग एम आर०/जुन०/ग पी०-1054/74-75—

यतः मुझे डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8205, दिसम्बर 1973 में लिखा है, जो पोलीम लाईन रोड, जालन्धर में स्थित है (और हमसे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री कर्मपाल सिंह मन्धू सुपुत्र उधम सिंह मन्धू, वासी सलाला तहसील, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम देव धीर मुपुत्र राम म्हाए धीर, होशिया रपुर रोड, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8205 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 जुलाई, 1974

मोहरः

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/केब
II/1672/74-75/2508—यत्., मुझे, श्री० बी० लाल
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 28-ए है, जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० आन्ध्रा प्रदेश इलैक्ट्रिकल इन्क्यूपमेंट का०, प्रो० मै०
इलैक्ट्रिक कांसट्रक्शन एण्ड इन्क्यूपमेंट क० लि०, 28-ए,
कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. कुमारी आभा जाजू (नाबालिग) अपने पिता व गार्जियन
श्री आर० एन० जाजू द्वारा, निवासी 7, श्री राम रोड, दिल्ली
(अन्तरिती)

3. मै० बर्मा जैन आयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग क०,
28-ए, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 28-ए, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली की
अनैक्सी-2, की पहली मंजिल में 250 वर्ग फुट जगह तथा भूमि
में अविभाजित 1/120 वां हिस्सा तथा 1/120 वां हिस्सा अन्य
चीजों में जैसे कि बाथरूम, निपट व एयर कन्डीशन यूनिट
आदि-आदि।

श्री० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 सितम्बर 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 3 मितम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर० ग्वालियर 15-12-73—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० म० नं० 9/460 है, जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-21-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरेश चन्द पुत्र श्री रामधन वैश्य पाटनकर बजार लश्कर ग्वालियर (अन्तरक)

2. श्री रामस्वरूप मिश्र पुत्र श्री कन्हैयालाल (2) श्री मदन लाल मिश्र पुत्र श्री कन्हैया लाल चिटनी की गोत लश्कर ग्वालियर (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 9/460 तीन मंजिला पाटन कर बाजार लश्कर ग्वालियर।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 3-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० सी० आर० II/कल/74-75—यतः, मुझे
आर० एल० बुटानि आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 8ए है, जो आलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के अधीन 28-12-
1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

श्री राजीव जिंदल, 8 ए, आलीपुर रोड, कलकत्ता, (अन्तरक)।

श्री प्राणनाथ कश्यप प्लेट न० 55, एम्बेसडर एपार्टमेंट्स
66/ए, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)।श्री रजीव जिंदल 8 ए, आलीपुर रोड, कलकत्ता। (वह व्यक्ति/
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसा
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 8 ए० आलीपुर रोड कलकत्ता मकान किनाम
जिंदल हाउस इतला, प्लेट न० 15, इसका अधिभक्त आधा
अंश।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV,
कलकत्ता

तारीख : 3-6-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मितम्बर 1974

निर्देश सं० एम० आर० इन्दौर 31-12-73—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 18/1 है, जो एम० जी० रोड इन्दौर में स्थित है (और हमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्री-कृत अधिनियम, 1908 (18908 का 16) के अधीन 19-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: —

12—246GI/74

1. श्रीमती रानी रामा कुमारी गाहवा पति राना सुबेरना गमशेर जंग बहादुर, 18 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री टाकुर दाम पुत्र चिमन दाम, 865 हरी फाटक मह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18/1 महात्मा गांधी मार्ग इन्दौर एरिया—
4729 स्कवेयर फीट।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 सितम्बर 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/
फेब०-II/1671/74-75/2508—यतः मुझे, डी० बी० लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसका सं० 28-ग है, जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरगत
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में फर्मा करने या उसमें बचने
के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मै० पान्द्रा प्रदेश इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट कारपोरेशन, प्रो०
मै० इलेक्ट्रिक कन्सट्रक्शन एण्ड इक्विपमेंट कं० लि० 28-ग, कस्तूरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री र.एल. बान्नापाई (नाबालिग) अपने पिता व गाजियन
श्री उमेश नारायण नात्रेवी द्वारा गिरासी ई० सी० ई० फेंकट्टी
देहली रोड, मोनीपत. हरियाणा । (प्रत्यर्गति)

3. बर्मा शैल ऑयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग कं०, 28-ग,
कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (यह व्यक्ति जिसके प्रधिभाग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
इस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 28-ग, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली की
अनेक्सी-2 की निचली मंजिल में 500 वर्ग फुट जगह तथा
भूमि में अविभाजित 1/60वां हिस्सा तथा अन्य चीजों से जैसे
कि बाथरूम, लिफ्ट व एयरकन्डीशन यूनिट आदि आदि ।

डी० बी० लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 6-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रज-1/2, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 अक्टूबर 1974

निर्देश सं. आई० टी० एन० एस०/1/एम० आर०-III/फैब० II/1670/74-75/2508— 1 मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 28-ए ट, जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और, उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1974

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विधेय के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसा अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति से कमी करने या उससे बचने के लिए, मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए, मुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण सेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं आन्ध्रा प्रदेश टेलीकॉम एक्ज्यूमेट का०, प्रो० नै० टेलीकॉम काम्प्यूटेशन एण्ड एक्ज्यूमेट कम्पनी लि० 28-ए कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरिनी)

2. श्रीमती प्रमिला भूवलका पत्नी श्री सी० के० भूवलका निवासी ई० सी० ई० फैक्ट्री, देहली रोड, सोनीपत, हरियाणा । (अन्तरिनी)

3. मैं बर्मा जैल प्रायल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग क०, 28-ए, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यावतयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद न० 28-ए कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली की अनेकसी-2 की निचली मंजिल में 500 वर्ग फुट जगह तथा भूमि में आयोजित 1/60वा हिस्सा तथा 1/60वा हिस्सा अन्य चीजों में जैसे कि बाथरूम, निपट वॉयर कन्डीशन यूनिट आदि-आदि ।

डी० बी० लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेंट रज-1, दिल्ली / नई दिल्ली

तारीख: 6-9-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एम० आर०-III/फैब० II/1675/74-75/2508—प्रत. मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी पं० 28-ग है, जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपायुक्त अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की

उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० आन्ध्रा प्रदेश इलेक्ट्रिकल इक्विपमेन्ट का०, प्रो० मै० इलेक्ट्रिक वासटुवर्णन एण्ड इक्विपमेन्ट कम्पनी लि०, 28-ग कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मै० शाह चैरिटेबल ट्रस्ट (ट्रस्टी श्री ए० पी० शाह, श्री एम० एम० शाह, श्री एच० पी० शर्मा के द्वारा) 55 लॉमडाउन रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

3. बर्मा शैल ग्राफिक्स स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग न०, 28-ग कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 28-ग कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली की अनेक्सी-2 की पहली मजिल में 500 वर्ग फुट जगह तथा भूमि में अविभाजित 1/60वा हिस्सा तथा 1/60वा हिस्सा अन्य चीजों में जैसे कि बाथ रूम, लिफ्ट व एयर कन्डीशन यूनिट आदि-आदि।

डी० बी० लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 6-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 29 अगस्त 1974

निर्देश सं० 183/एकुरे III/74-75/हाव—यतः मुझे एल० के० बालमुद्रामनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 98 है, जो गिरीश घोष रोड, बेलुर, थाना बाली, जिला हावड़ा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दि रजिस्ट्रार ग्राफ एण्डोर्गेन्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में तमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) अ के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री ब्रह्म दत्त झुनझुनवाला, 12, मुरलीधर मेन लेन, कलकत्ता-7

(अन्तरिती)

श्री रामनिबाम गुप्त, 105/21 गिरीश घोष रोड, बेलुर, थाना लिलुया, हावड़ा

वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

श्रीमती मुशीला जैसवाल, 19/1 विद्यासागर स्ट्रीट, कलकत्ता-9

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 9 कट्टा 14 छटाक और 15 स्क्वे० फुट जमीन साथ उस पर घिरा प्राचीर, सर्नाटिग प्रीमि चैम्बर, पक्का दियालवाला आफिस घर, मिटर घर, गेड और गोडाउन और अन्नाच्य स्ट्राक्चर वा फिटिंग जो पौर सं० 98 गिरीश घोष रोड, बेलुर, थाना बाली, जिला हावड़ा पर अर्जस्थित और जो सब-रजिस्ट्रार हावड़ा द्वारा दलिल सं० 3885/1973 में रजिस्ट्री हुआ।

एल० के० बालमुद्रामनियन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता।

तारीख : 29-8-74

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 जुलाई, 1974

निर्देश सं० ए एमआर०/जुल०/ए पी०-653/74-75—यतः मुझे, डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8306 दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो नंगल खुरद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर, 73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री आनंद मरूप सुपुत्र श्रीमोलक राम सुपुत्र गंगा राम, गाँव नंगल खुरद (भोगपुर भुनोवाल रोड पर)। (अन्तरक)

(2) ममर्स श्रीमोलक राईस एण्ड जनरल मिलज है० आ० दिल्ली। सी-81 साउथ एक्सप्रेसन पार्क 2, नई दिल्ली द्वारा श्री कुन्दत लाल सुपुत्र श्री सलामत राय, ह० न० ई० जी० 1027 मोहल्ला गोबिन्दगढ़, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8306 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 31 जुलाई, 1974

मोहर.

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई, 1974

निदेश सं० ए. एम. आर०/जुल०/ए. पी०-1056/74-75—यन्त्र मुझे टी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8122, 8123, 8124, 8125, 8126 दिसम्बर 1973 में लिखा है, जो दिलकुशा मार्केट, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री 5मं सिंह मानन पुत्र श्री ब्रमंत सिंह, 389 लाजपत नगर जालंधर। श्री 6कर सिंह पुत्र श्री बल सिंह, श्री स्वर्ण सिंह जांहर पुत्र श्री गुरपाल सिंह, श्री जागीर सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, मार्फत मैनेजमेन्ट ऑफिस, दिलकुशा मार्केट, जालंधर।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री मौनिन्दर सिंह, कुलवीर सिंह पुत्र श्री रैशम सिंह ग्रामी, गांव लिनगा, त० नकोदर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8122, 8123, 8124, 8125 और 8126 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जुलाई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई, 1974

निदेश सं० ए एम आर०/ए पी०-1055/74-75— यत
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
संख्या भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 2996 दिमम्बर 1973 में लिखा है, जो त्यागनन्द नगर,
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिमम्बर 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद प्रकाश सुपुत्र कुलजास मल तथा श्रीमती राजरानी
पत्नी श्री वेद प्रकाश, गुरु बाजार, कृष्णा उपना, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश लाल नारंग सुपुत्र श्री अमी चंद नारंग, कोट
खजाना, गली कट्टीया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2996
दिमम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा
है।

डी० एस० गुप्ता

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 31 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश न० ए० सि० 33/आर० II/कल०/74-75—यत
मुझे आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
म० 85 है, जो एम० एन० राय रोड, माउथ मुर्षाकिन मुनिसिपैलिटी
कट्टाजा डि० 24 परगनास में स्थित है और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को
के कार्यालय रजिस्ट्रार अकालपुरम कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908-1908 का 16 के अधीन 14-12-73
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—246GI/74

श्री बंगराज शर्मा एम० जि० रोड, जनपाईगुडि पश्चिम
बंगाल (अन्तरक)।

मेमर्स श्री गोमिन्द प्रोपर्टी एंड डेवेलपमेंट (पि) लि०
2, वाङ्ग रोड कलकत्ता (अन्तरिणी)।

भाडा दिया (1) पि० के० ब्रजवती (ग्राउड फ्लोर) (2) निर्मल
शील (फार्थ फ्लोर)। (बह व्यक्ति जिसके आधिभाग में
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिनों की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 85 एम० एन० राय रोड माउथ मुर्षाकिन मिउवि-
मिपैलिटी, कट्टाजा डि० 24 परगनास।

आर० एल० बुटानी

सक्षम प्राधिकारी,

(महायुक्त आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज II कलकत्ता

तारीख 30-8-1974

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :—

1. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-I, बैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलूर, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता :—यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। वायुयान संरचना अभिकल्पन में 4 वर्ष का अनुभव।

2. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-I, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन होना है)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता :—बैमानिक/यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। निर्माण/ओवर हाल/अनुरक्षण के दौरान विमान इंजन के निरीक्षण का 3 वर्ष का अनुभव।

3. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-I, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 750-50-1250। (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता :—वैद्युत् इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। जनिष्ठ सेटों, विद्युत् णवित उपस्कर या वायु क्षेत्र प्रकाश उपस्कर का 4 वर्ष का अनुभव।

4. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-I, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता :—इलेक्ट्रॉनिकी में विशेषज्ञता सहित इलेक्ट्रॉनिकी/दूर-संचार/वैद्युत् इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा रेडियो/वायरलेस/दूर संचार में विशेषज्ञता सहित भौतिकी में पदवीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। रेडार संस्थापन/संचार और दिग्गालन उपस्कर के निरीक्षण/परीक्षण/परिचालन और अनुरक्षण में 4 वर्ष का अनुभव।

5. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-I, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला, हैबराबाद, रक्षा मंत्रालय। पद अस्थायी—अनिश्चितकाल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता :—दूर संचार इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा इलेक्ट्रॉ० के विषय सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। संचार या रेडार पद्धतियों से संबद्ध अंकीय परिवर्धिका में अभिकल्पन और विकास कार्य का 4 वर्ष का अनुभव तथा समकालित परिपथ संप्रययों का प्रकृष्ट ज्ञान।

6. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-I, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से

कम। अनिवार्य-योग्यता :—यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। यांत्रिक घटकों और इलेक्ट्रॉ० उपस्कर समन्वय, ऐंटेना मीनारों की संरचना/परीक्षण/निरीक्षण या समान संरचनात्मक कार्य में दायित्व पूर्ण हैसियत से 4 वर्ष का अनुभव।

7. छह वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-11, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता :—सभी पदों के लिए (वर्ग 1 और 11) : इलेक्ट्रॉनिकी में विशेषज्ञता सहित इलेक्ट्रॉ०/दूर संचार/वैद्युत् इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा रेडियो/वायरलेस/दूर संचार में विशेषज्ञता सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। वर्ग 1 (3 पद) : रेडार संस्थापन/संचार और दिग्गालन उपस्कर के निरीक्षण/परीक्षण/परिचालन और अनुरक्षण में 2 वर्ष का अनुभव। वर्ग 11 (3 पद) : लाइन संचार पद्धतियों जैसे मल्टी चैनल कैबिअर, वी० एफ० तार, अंकीय अंकड़य संचार पद्धतियों के निरीक्षण/परीक्षण/परिचालन और अनुरक्षण में 2 वर्ष का अनुभव।

8. सिविल इंजीनियरी का एक आध्याता, राजकीय पाली टेक्निक, गोवा, वमन और विद्यु सरकार। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-व० रो०-35-950 (परिशोधन पूर्व वेतनमान)। आयु :—40 वर्ष। अनिवार्य-योग्यता :—सिविल इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। 2 वर्ष का व्यावसायिक/अध्यापन अनुभव।

9. एक सहायक निदेशक (प्रौद्योगिकी), अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, वाणिज्य मंत्रालय। (पद अस्थायी, चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-व० रो०-35-950। आयु :—35 वर्ष। अनिवार्य-योग्यता :—धातु इंजीनियरी में डिग्री। अलीह उद्योगों में 3 वर्ष का अनुभव।

10. तीन वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता :—यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। (ii) ऐंटेना मीनारों अथवा समान संरचनात्मक निर्माणों की रचना/परीक्षण/निरीक्षण का 2 वर्ष का अनुभव।

11. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-11, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता :—इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा इलेक्ट्रॉनिकी के विशेष विषय सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। (ii) आयुधों के विकास/उत्पादन/निरीक्षण का 2 वर्ष का अनुभव।

12. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। (परिशोधन होना है)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएं :—रसायन इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री I आयुभों के विकास/उत्पादन/निरीक्षण का 3 वर्ष का अनुभव।

13. तीन कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, वैज्ञानिक विकास प्रतिष्ठान, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। (परिशोधन)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएं :—ध्वनिगतिकी में विशेषज्ञता सहित इलेक्ट्रॉनिकी और संचार/विद्युत् इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

14. एक अग्नि शमन एवं सुरक्षा अधिकारी, तबोन यत्कीोरिन बम्बरगाह, जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—35 वर्ष। अनिवार्य योग्यताएं :—मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिक। अग्नि शमन इंजीनियर संस्थान की स्नातकता या सह-सदस्यता या राष्ट्रीय अग्निशमन शमन सेवा कानेज, नागपुर, का उन्नत डिप्लोमा तथा अग्निशमन सेवा में दायिद्वपूर्ण हैमियत से 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

15. सिविल इंजीनियरी का एक सहायक आध्याता, राजकीय पालीटेक्निक, प्रणजी। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 375-25-500-30-590-द० रो०-30-650 (परिशोधन पूर्व वेतनमान)। आयु :—35 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएं :—सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा सिविल इंजीनियरी में राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा तथा 5 वर्ष का व्यावसायिक या अध्यापन अनुभव।

16. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-I, नौ रसायन तथा आधुनिक प्रयोगशाला, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन पूर्व)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएं :—भौतिक रसायन, विज्ञान/भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की एम० एस०-सीम डिग्री। सक्षारण के क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास कार्य का 4 वर्ष का अनुभव।

17. एक रसायनज्ञ (वरिष्ठ), भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 700-50-1250। (परिशोधन पूर्व)। अनिवार्य-योग्यताएं :—रसायन विज्ञान या प्रयुक्त रसायन विज्ञान में एम० एस०-सीम डिग्री। चट्टानों, खनिजों, धातुको, मिट्टी, कोयला, कैस और पेट्रोलियम उत्पादों से सम्बद्ध विश्लेषणात्मक कार्य तथा बहु मूल्य धातुओं को परखने और प्रदर्शक तथा विरल तत्वों के निर्धारण का 7 वर्ष का अनुभव तथा विश्लेषण की आधुनिक यंत्र-चालन विधियों का अनुभव।

18. एक वरिष्ठ तकनीकी सहायक, गोआ, दमन तथा दियु सरकार। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-830-35-900 (परिशोधन पूर्व वेतनमान)। आयु :—30 वर्ष अनिवार्य-योग्यताएं :—भू-विज्ञान में 'मास्टर' डिग्री या भारतीय स्कूल, धनवाद, से प्रयुक्त भू-विज्ञान में डिप्लोमा। खानों के भूवैज्ञानिक, अन्वेषण या खनिज अन्वेषण/वियनमन तथा खानों और खनिजों के विकास से संबंधित सरकारी विभागों में 2 वर्ष का अनुभव।

19. एक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (शिशु रोग विज्ञान), सामान्य अस्पताल, जडीगढ़। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 850-50-1000/50-1250। आयु :—45 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएं :—(i) कोई मान्य मेडिकल योग्यता। (ii) शिशु रोग विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएं जैसे, एम० डी० या एम० आर० सी० पी०, एफ० आर० सी० पी० (कनाडा)। (iii) स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के बाद उक्त विशेषज्ञता में 5 वर्ष का अनुभव।

20. एक रोग विज्ञानी, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, पणजी, गोआ। (पद अस्थायी, चलते रहना सम्भव और अस्तित्व स्थायी)। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधन)। आयु :—30 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएं :—(i) वही जो उपर्युक्त भद संख्या 19 (i) में है। अथवा गोआ मेडिकल स्कूल की डिग्री (मेडिको-सिरगमि)। अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप का समापन।

21. गणित का एक आध्याता, राजकीय पालीटेक्निक, गोआ, दमन और दियु सरकार। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 400-450-30-600-35-670-35-950 (परिशोधन पूर्व वेतनमान)। आयु :—40 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएं :—गणित में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री। मान्यताप्राप्त कालेज या उत्तर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र प्रदान करने वाली संस्थाओं में 2 वर्ष का अध्यापन अनुभव।

22. एक कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित, न मिलने पर अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित दोनों के न मिलने पर अनारक्षित। वेतन :—रु० 475-25-500-30-680। आयु :—45 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएं :—मैट्रिक तथा साथ में चल-चित्र फोटोग्राफी का 5 वर्ष का अनुभव। अथवा सिनेमा (चलचित्र फोटोग्राफी) में डिग्री/डिप्लोमा तथा साथ में चलचित्र फोटोग्राफी का अनुभव।

*आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 21 अक्टूबर, 1974 (विदेश, अंडमान, निकोबार और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के लिए 4 नवम्बर, 1974)।

पदों आदि के बारे में उपर्युक्त संक्षिप्त सूचना है। आवेदन-पत्र और विवरण के लिए सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली-110011 को बिना टिकट के अपना पता लिखे हुए लिफाफे (23 × 10 से० सी०) के साथ मद सख्या, पद का नाम और विज्ञापन सख्या का हवाला देते हुए लिखें।

आयु 1-1-1974 तक की गिनी जाएगी। (विस्थापित, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और सरकारी कर्मचारियों को, जहाँ अन्यथा न बताया गया हो, आयु-सीमा में छूट सम्भव)।

आयोग, उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

उच्च प्रारम्भिक वेतन योग्यताओं के अनुसार दिया जा सकता है।

आवेदन-शुल्क भारतीय पास्टल आर्डर के रूप में आठ रु० (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए दो रु०), विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास में शुल्क जमा करें।

सकेत —अ० जा०—अनुसूचित जाति, अ० ज० जा०—अनुसूचित जन जाति, अ० यो०—अनिवार्य योग्यताएँ।

अशोक चन्द्र बंधोपाध्याय
सचिव,
सघ लोक सेवा आयोग।

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th August 1974

No PF/B-127/74-AD I—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby promotes Shri Biswajit Shah, Sub-Inspector as Inspector of Police in Calcutta Branch of the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity with effect from the afternoon of 8th July 1974 until further orders

No, PF/N-71/74-AD I—Deputy Inspector General of Police Special Police Establishment, hereby promotes Shri N. K. Bose Sub-Inspector as Inspector of Police in Calcutta Branch of the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 8th July, 1974 until further orders

G. L. AGARWAL, Administrative Officer,
for Deputy Inspector General of Police
S P E.

New Delhi-1, the 1974

No, PF/D-10/74-AD V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri D. C. Vajpai, an I.P.S. officer of West Bengal Cadre, as Supdt of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from forenoon of 8th August, 1974, until further orders

Shri M. K. Banerji (Bandopadhyaya) I.P.S. West Bengal was relieved of his duties as SP/CBI/SPE on the forenoon of 8th August, 1974. His services were placed back at the disposal of the State Government.

G. I. AGARWAL, Administrative Officer(E)
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

New Delhi-110003, the 24th August 1974

No E-38013(1)/2/74-Ad I—The President is pleased to appoint Shri P. P. Singh, IPS (Bihar-1956), to the post of Deputy Inspector General Central Industrial Security Force, Eastern Zone with Headquarters at Calcutta with effect from the Afternoon of 2-8-74 vice Shri N. C. Pal, IPS (West Bengal-1951), who has been repatriated to his State with effect from the Afternoon of the same date

The 26th August 1974

No E-38013(3)/6/74 Ad I—On transfer to office of DIG (F7)/(Central Industrial Security Force, Calcutta, Shri B. A. Devaya relinquished charge of the post of Asstt. Commandant No 9th Bn Central Industrial Security Force, Dighaghat (Patna) with effect from the afternoon of 6-8-1974.

No E-38013(3)/6/74-Ad I.—On transfer from Patna Shri B. A. Devaya is appointed as Assistant Commandant (JAO), Eastern Zone, Central Industrial Security Force, with Headquarters at Calcutta with effect from the Forenoon of 7th August, 1974 and assumed the charge of the post with effect from the same date

No E-38013(3)/9/74-Ad I—On transfer from Border Security Force, at his own request Shri R. M. Upadhyay Assistant Commandant 58 Battalion, Border Security Force is appointed as Asstt. Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City, with effect from the forenoon of 20th July 1974 and assumed the charge of the post with effect from the same date

L. S. BISHT, I.G.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 20th August 1974

No 2/19 74 Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri O. P. Yadava I.A.S. as Officer on Special Duty in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 14th August, 1974 until further orders

B. V. DIGHE
Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

SOUTHERN RAILWAY

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

Shri V. Padmanabhan, a permanent member of the subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor, Southern Railway is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 31-7-74 until further orders

This promotion is provisional

S. P. NARAYANA CHETTY
Chief Auditor

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 23rd August 1974

No A 17011(24)/71-A 6—Shri G. S. Munshi, permanent Examiner of Stores and officiating Assistant Inspecting Officer (Tex) in Bombay Inspection Circle of DGS&D, retired from Government service on the afternoon of 30-6-1974 on attaining the age of superannuation

No A 1/1(657)—Shri H. R. Diwanjee permanent Superintendent and officiating as Assistant Director of Supplies in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1974 on attaining the age of superannuation (58 years)

The 24th August 1974

No A 1/1(536).—Shri R. H. Benjamin permanent Superintendent and officiating as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1974 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-17011(72)/74-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri G. Ganasan, Examiner of Stores in the office of the Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Bombay with effect from the afternoon of the 5-8-74, until further orders.

S. K. JOSHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd August 1974

No. 11(10)/70-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. Ramanujacharyulu as Audience Research Officer, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from the 1st August 1974 until further orders.

No. 5(27)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. G. Das, Transmission Executive, All India Radio, Tezu to officiate as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 31st July 1974 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th August 1974

No. 9-10/74-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance, Directorate General of Health Services hereby appoints Kumari Leelama Abraham to the post of Clinical Instructor, College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of the 16th February, 1974, on an *ad hoc* basis and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF COOPERATION)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

N.H.IV Faridabad, the 28th August 1974

No. F.4-6(15)/74-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Jaman Lal has been appointed as Assistant Marketing Officer, Group II on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection, at New Delhi with effect from 6-7-74 (F.N.), until further orders.

No. F.4-4(12)/74-A.F.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri G. Gopala Rao has been appointed as Deputy Senior Marketing Officer, Group II, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection, at Madras with effect from 29-7-1974 (F.N.), until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 20th July 1974

No. PA-81(44)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Yogendra Kanaiyalal Thakore, a temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

The 12th August 1974

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Laxman Balajee Gawde, a permanent Upper Division Clerk and a temporary Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assis-

tant Personnel Officer on a temporary basis in the same Research Centre, with effect from the forenoon of May 18, 1974, until further orders.

The 13th August 1974

No. PA 79(9)/74-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/79(20)/73-R-IV, dated February 17, 1974, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Thath Jamnadas Asnani, a permanent Assistant Personnel Officer and temporary Administrative Officer-I, in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer-II in the same Research Centre, as under :—

- (i) On an *ad hoc* basis from 1-4-74 (FN) to 17-5-74 (AN).
- (ii) On a regular basis from 18-5-74 (FN), until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd August 1974

No. A32013/5/74EA.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Dhingra, Assistant Aerodrome Officer to the post of Aerodrome Office in the Civil Aviation Deptt., on a purely *ad-hoc* basis with effect from the 14th August, 1974 AN and until further orders. Shri Dhingra is posted at Headquarters.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 24th August 1974

No. A. 32013/12/73-EC.—The President is pleased to approve extension of *ad-hoc* appointment of the undermentioned Technical Officers in the Civil Aviation Department as Senior Technical Officer upto the 31st October, 1974 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :

1. Shri P. L. Modgil
2. Shri M. S. Krishnan
3. Shri C. R. Narasingham
4. Shri A. Narendra Nath
5. Shri O. C. Alexander
6. Shri C. V. Venkatesan
7. Shri S. V. Iyer
8. Shri R. C. Roy Chowdhury
9. Shri S. Ramachandran
10. Shri S. K. Chandra
11. Shri G. V. Koshy
12. Shri P. R. Suryanandan
13. Shri N. K. Nanu.

S. GUPTA
for Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 28th August 1974

No. E(1)04246.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. P. Loganathan, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30th May 1974 and until further orders.

Shri A. P. Loganathan, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

NOOTAN DAS, Meteorologist
for Director General of Observatories

UNIVERSITY OF DELHI

Delhi, the 15th July 1974

No. 1A/72-73/16257.—The annual accounts of the University of Delhi for 1972-73 alongwith the Audit Report thereon are hereby published for information as required under Section 39(ii) of the Delhi University Act 1922 (Act VIII of 1922).

Sd./- ILLEGIBLE
Registrar.

Statement No. 1

Balance Sheet of the University of Delhi as on 31-3-1973

31-3-1972 Rs.	ASSETS	31-3-1973 Rs.
2,86,27,215	1. Buildings	3,13,23,883
44,99,840	2. Furniture and Equipment	60,60,611
58,75,286	3. Science Apparatus	59,81,034
96,10,721	4. Books and Periodicals	1,09,62,227
53,388	5. Sports Materials and Trophies	53,388
	6. Gifts/Donations	
1,55,50,010	{ (a) Ford Foundation	1,87,72,060
	{ (b) Scientific equipment imported under \$ 12 Million Indian Higher Edu. Loan	7,62,031
30,26,446	{ (c) Other Agencies	27,98,874
	7. Accrued Receipts	
2,09,480	(a) Fees from Students	2,48,208
—	(b) Delhi University Computer Centre-1620/II	8,359
1,37,708	(c) Licence fee Dividend etc.	1,64,831
20,11,842	8. (a) Maintenance Grant Investment Account	10,00,000
18,968	(b) Accrued Interest	11,938
1,69,43,949	9. (a) Provident Fund Investment Account	1,94,40,850
2,58,694	(b) Accrued Interest	3,19,289
9,38,000	10. Depreciation Reserve Fund Investment Account	8,88,000
—	11. Publication Fund Investment Account	25,000
1,00,000	12. Reserve Fund Investment Account	—
30,000	13. Vice-Chancellors' Students Fund Investment Account	30,000
21,000	14. Delhi School of Economics Students Welfare Fund Investment Accounts	—
20,000	15. Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Investment Accounts	21,500
4,75,000	16. Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Investment Account	5,15,000
6,77,100	17. Sir Shankar Lal Endowment Fund Investment Account	6,77,100
4,15,000	18. Sir Shankar Lal Institute of Music Endowment Fund Investment Account	4,95,000
96,000	19. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Investment Account	1,03,000
8,10,290	20. Other Endowment Funds Investment Account	9,48,290
60,000	21. Science caution Money Investment Account	60,000
—	22. Miscellaneous Account—Library Deposit Investment Account	30,000
—	23. Accrued Receipts—Delhi University Computer Centre—360/44	9,53,579
	24. Advances	
14,000	(a) Permanent Advance	16,750
6,56,227	(b) Other Advances	8,11,828
85,940	(c) Conveyance Loan	2,34,864
	25. Cash	
37,33,566	(a) Cash at Bank	64,13,084
4,00,643	(b) Cash at First National City Bank, New York out of Ford Foundation Grant	1,99,222
	(\$ 26,562.98)	
	26. Sundry Debtors	
7,69,314	(a) University Press Account to Maintenance Grant Account	7,68,613
99,150	(b) University Press Account to Miscellaneous Account	99,150
9,62,24,777		11,11,97,563

Certified that the Grants have been utilised for and on the purpose for which they were sanctioned and paid.

Foot Note:—

The accrued receipts, as shown in the Balance Sheet, did not include a sum of Rs. 44,998.22 outstanding on account of Royalty due to the University as per royalty statement for the half year ended 30-6-1971 received from M/s Asia Publishing House, Bombay. After serving a legal notice to appoint an arbitrator on their behalf, the publisher agreed to pay the outstanding amount in monthly instalment of Rs. 5,000/- each. Out of the above amount due on 31-3-1973, an amount of Rs. 20,000/- has so far been remitted by the publisher. Royalty statements upto half year ended 31-12-1972 have also since been received since then and the amount still due to the University as on 31-12-73 was Rs. 26,778.89.

Deputy Finance Officer
University of Delhi

Internal Audit Officer
University of Delhi

Finance Officer
University of Delhi

Treasurer
University of Delhi.

UNIVERSITY OF DELHI

Balance Sheet of the University of Delhi as on 31-3-1973

31-3-1972 Rs.	LIABILITIES		31-3-1973 Rs.
4,77,11,411	1	Grants	5,31,61,201
	2	Gifts/Donations	
1,59,50,653		(a) Ford Foundation	1,89,71,282
30,26,446		(b) Scientific equipment imported under \$ 12 Million Indian Higher Education Loan	7,02,031
		(c) Other Agencies	27,98,874
49,61,309	3	Excess of Income Over Expenditure	57,50,838
1,73,07,055	4.	(a) Provident Fund Account	
2,011		(b) Contributory Provident Fund A/c	1,98,50,919
2,840		(c) General Provident Fund Account	
—		(d) Contributory Provident Fund Account refundable to University Grants Commission	3,26,202
1,64,952		(e) Interest Account	2,23,341
9,79,028	5	Depreciation Reserve Fund Account	11,95,396
22,789	6.	Professorship Fund Account	57
32,339	7.	Publication Fund Account	46,749
36,088	8.	Vice-Chancellor's Students Fund Account	30,541
21,000	9.	Delhi School of Economics Students Welfare Fund Account	—
1,00,000	10.	Reserve Fund Account	—
23,922	11.	Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Account	24,659
5,59,443	12.	Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Account	5,55,400
6,99,955	13.	Sir Shankar Lall Endowment Fund Account	7,01,719
5,18,353	14.	Sir Shankar Lall Institute of Music Endowment Fund Account	5,26,547
1,30,693	15.	Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Account	1,14,513
8,96,451	16.	Other Endowment Funds Account	10,68,768
5,51,262	17.	Deposit Account of Science caution Money and Library Deposit	5,28,378
	18.	Deposit Account of Contractor Security	2,03,768
12,70,050	19.	Deposit Account of Scholarships	12,08,779
2,99,593	20.	Deposit Account of Research Schemes	3,95,405
37,577	21.	Deposit Account of Prizes and Endowment	37,577
42,701	22.	Deposit Account of Grants for Construction of Constituents Colleges	—
3,58,051	23.	Other Deposit Account	1,92,154
10,067	24.	Delhi University Computer Centre—360/ 44	16,40,940
1,07,340	25.	Conveyance Loan Fund Account	2,74,800
2,00,380	26.	Suspense Account	4,06,000
2,01,018	27.	Accrued Payments	2,00,665
9,62,24,777			11,11,97,563

Certified that the Grants have been utilized for and on the purpose for which they were sanctioned and paid

Deputy Finance Officer
University of DelhiInternal Audit Officer
University of DelhiFinance Officer
University of DelhiTreasurer
University of Delhi

Note :—Balance Sheet of the Delhi University Press as on 31-3-1973 is appended

UNIVERSITY OF DELHI

Notes on Accounts

1. The "excess of income over expenditure" of Rs. 57,50,838/- exhibited in the University Balance Sheet as on 31-3-1973 is arrived at as under:—

Opening Balance	Rs. 49,61,309
Less : (i) Inclusion of excess amount due to separation of Press Account from Maintenance Grant Account in the Balance Sheet as on 31-3-1972	701
	49,60,608
(ii) Erroneous inclusion of Permanent Advance under "Excess of income over expenditure" in the Balance Sheet as on 31-3-1966-since adjusted	250
	49,60,358
(iii) Accrued receipts relating to the year 1970-71 though realized during the years 1971 & 1972 but not accounted for in the Balance Sheet as on 31-3-1971 and 1972 respectively-since adjusted.	14,622
	49,45,736
(iv) Inclusion of more accrued receipts in the Balance Sheet as on 31-3-1971 and 31-3-1972 respectively—since adjusted	4,354
	49,41,382
(v) Realization of accrued receipts relating to the Post-Graduate (Evening) Classes during the year 1972-73	3,637
	49,37,745

UNIVERSITY

Income and Expenditure

INCOME

	Rs. Ps.	Rs. Ps.
I. Maintenance Grant Account		
1. Grants	1,57,58,912-00	
Less : Capitalized Expenditure	22,73,641-92	1,34,85,270-08
2. Fees from Students	57,51,211-09	
Less: Realized of last years	43,123-00	57,08,088-09
3. Licence fee, Dividend etc.	2,85,200-39	
Less : Realized of last years	22,194-02	2,63,006-37
4. Library Receipts		1,02,029-73
5. Miscellaneous Receipts	5,20,154-91	
Loss : (i) Realization of accrued interest	18,968-42	
(ii) Realization of accrued receipt of Delhi University Computer Centre 1620/II	65-00 19,033-42	5,01,121-49
6. Accrued Receipts		
(i) Fees from Students	96,409-00	
(ii) Delhi University Computer Centre 1620/II	5,400-98	
(iii) Licence fee Dividend etc.		49,316-76
(iv) Accrued Interest transferred from Maintenance Grant Interest Account		11,938-33

(vi) Prior period adjustments	1,19,426
	48,18,319
Add. (i) Excess of Income over expenditure/Fees relating to the Institute of Post-Graduate (Evening) Studies merged with the University with effect from 1-4-1972	1,34,578
(ii) Excess of Income over Expenditure as per Income & Expenditure statement for the year 1972-73	7,97,941
Closing Balance	57,50,838
2. The 'Loss' of Rs. 3,25,940/- exhibited in the University Press Balance Sheet as on 31-3-1973 is arrived at as under:—	
Opening Balance	2,46,635
Add value of machinery written off during 1971-72 not taken into account during 1971-72 under Press Account.	11,527
	2,58,162
Add for the year 1972-73	67,778
Closing Balance	3,25,940

Sd/-	Sd/-	Sd/-	Sd/-
Deputy Finance Officer, University of Delhi, Delhi-7	Internal Audit Officer, University of Delhi, Delhi-7	Finance Officer University of Delhi, Delhi-7	Treasurer University of Delhi, Delhi-7

Statement No. 3

OF DELHI

Account for the year 1972-73

EXPENDITURE

	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
1. Maintenance Grant Account				
1. General Administration				
(i) Pay & Allowances				26,45,786-33
(ii) Other charges	41,77,789-36			
Add : accrued during 1972-73	39,405-59			42,17,194-95
2. Faculty of Arts & Social Sciences				
(i) Pay & Allowances				34,81,453-27
(ii) Other charges	3,38,515-65			
Less : accrued of last year since discharged during 1972-73	12,034-43			
	3,26,481-22			
Add : accrued during 1972-73	14,437-03			3,40,918-25
3. Faculty of science				
(i) Pay & Allowances				26,74,439-86
(ii) Other charges	4,61,990-79			
Less : accrued of last year since discharged during 1972-73	1,25,413-61			
	3,36,577-18			
Add : accrued during 1972-73	90,676-98			4,27,254-16
4. Faculty of Law				
(i) Pay & Allowances				5,26,338-14
(ii) Other charges	15,493-18			
Add accrued during 1972-73	4,511-69			20,004-87
5. Faculty of Music & Fine Arts				
(i) Pay & Allowances				2,43,603-06
6. Faculty of Mathematics				
(i) Pay & Allowances				2,24,212-19
(ii) Other charges	11,93-77			
Less : accrued of last year since discharged during 1972-73	912-00			
	11,001-77			
Add accrued during 1972-73	585-00			11,586-77
7. Faculty of Medical Sciences & Technology :				59,675-06
(i) Pay & Allowances				
(ii) Other charges	89,995-81			
Less accrued of last year since discharged during 1972-73	229-13			
	89,766-68			
Add accrued during 1972-73	346-38			90,113-06

Rs.	P.	Rs	P.
-----	----	----	----

II. Plan Development Account**1. Grants**

(i) Fourth Plan Scheme 17,18,000-00

(ii) Outside fourth Plan schemes 18,60,774-69

(iii) Centres of Advanced studies and Research 17,77,128-55

2. Departmental Receipts (Outside fourth Plan schemes) 5,29,282-80

58,85,186-04

3. Less capitalized expenditure 9,05,880-72

49,79 305-32

2,52,01,886-15Dy. Finance Officer
University of DelhiInternal Audit Officer
University of Delhi.

	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
8. Faculty of Management Studios				
(i) Pay & Allowances			2,35,820-74	
(ii) Other charges			59,122-18	
9. Library				
(i) Pay & Allowances			5,63,569-74	
(ii) Other charges	1,14,225-78			
Less: accrued of last year since discharged during 1972-73	82-80			
	1,14,142-98			
Add: accrued during 1972-73	1,473-68		1,15,616-66	
10. W.U.S. Health Centre				
(i) Pay & Allowances			1,94,185-94	
(ii) Other charges	2,60,265-16			
Less accrued of last year since discharged during 1972-73	21,081-54			
	2,39,183-62			
Add: accrued during 1972-73	487-20		2,39,670-82	
11. Gandhi Bhawan				
(i) Pay & Allowances			9,505-86	
(ii) Other charges	5,329-81			
Less: accrued of last year since discharged during 1972-73	72-86			
	21-48			
Add: accrued during 1972-73			5,278-43	
12. Proctor's office				
(i) Pay & Allowances			8,268-03	
(ii) Other charges			316-81	
13. Hindi Medium Implementation Board.				
(i) Pay & Allowances			3,881-19	
(ii) Other charges			137-70	
14. University Athletic Association				
(i) Pay & Allowances			55,208-07	
15. Delhi University Students' Union				
Other Charges			1,164-98	
16. Scholarships and Exhibitions			2,12,377-78	
17. Grants.				
(i) University Purposes	9,550-00			
(ii) Academic purposes	85,959-53		95,509-53	
18. Works, Maintenance & Repairs				
(i) Pay & Allowances			5,08,500-03	
(ii) Other charges	12,58,327-10			
Less: accrued of last year since discharged during 1972-73	41,192-16			
	12,17,134-94			
Add: accrued during 1972-73	48,720-00		12,65,854-94	
19. Printing & Binding done through University Press			2,54,959-45	
20. Miscellaneous			8,29,204-11	
			1,96,20,732-96	
II. Plan Development Account				
1. Fourth Plan Schemes				
(i) Pay & Allowances			14,85,020-67	
(ii) Other charges			9,155-55	
2. Outside Fourth Plan Schemes:				
(i) Pay & Allowances			12,48,911-23	
(ii) Other charges			5,21,712-48	
3. Centres for advanced Studies & Research:				
(i) Pay & Allowances			8,87,237-13	
(ii) Other charges			6,15,728-13	
4. Miscellaneous schemes				
(i) Other charges			15,447-44	
			2,44,03,945-59	
III. Excess of Income over Expenditure			7,97,940-56	
			2,52,01,886-15	

Finance Officer
University of Delhi.

Treasurer
University of Delhi

Statement No. 6

UNIVERSITY OF DELHI
Cash Balance as on 31-3-1973
(as per cash Books)

Name of Account	Rs. Ps.
I. MAIN ACCOUNTS	
1. Maintenance Grant Account	37,49,284-83
2. Plan Development Account	3,10,901-63
3. Capital Account	12,012-80
4. Miscellaneous Account	8,23,825-25
Total—I	48,96,024-51
II. OTHER ACCOUNTS	
1. (i) Provident Fund Account	1,25,601-94
(ii) Contributory Provident Fund Account	2,15,600-48
(iii) General Provident Fund Account	(—)27,080-78
(iv) C.P.F. A/c refundable to University Grants Commission	3,26,201-72
2. Depreciation Reserve Fund Account	3,07,396-48
3. Professorship Fund Account	57-00
4. Publication Fund Account	21,749-23
5. V.C. Students Fund Account	541-08
6. Dr. Gokal Chand of Gujarat loan Scholarship Account	3,158-68
7. Sir Sri Ram Chair in Physics End. Fund A/c	40,459-82
8. Sir Shankar Lal End. Fund Account	24,618-84
9. Sir Shankar Lal Institute of Music Endowment Fund Account	31,547-00
10. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Account	11,513-57
11. Other Endowment Funds Account	1,20,477-86
12. Science Caution Money Account	38,353-73
13. (i) C.S.I.R. Scholarships Account	1,84,901-73
(ii) U.G.C. Scholarships Account	52,024-98
14. Conveyance Loan Fund Account	39,935-89
Total—II	15,17,059-25
Total—I & II	64,13,083-76
1. Cash at Bank at First National City Bank New York out of Ford Foundation	1,99,222/-

Statement No. 20(a)

UNIVERSITY PRESS
Balance Sheet as on 31-3-1973

As on 31-3-1972	ASSETS	As on 31. 3. 1973
Rupees		Rupees
2,02,320	Machinery, furniture and equipment	1,96,343
1,90,348	Composing Material	2,00,434
8,04,367	Accrued Receipts	8,56,301 (1)
89,278	Stock in Hand	80,992
26,700	Work in progress and not billed for	5,700
500	Permanent Advance	500
49,576	Cash at Bank	39,090
2,46,635	Loss	3,25,940
—	Festival Advance	0,980
16,09,724		17,06,280
	Liabilities	
1,62,442	(i) U.G.C. Special Grant for purchase of Press	1,62,442
2,25,979	(ii) Grant out of Block Grant	2,25,979
	Sundry Creditors	
99,150	(i) Miscellaneous Account	99,150
7,69,314	(ii) General Fund Account	7,68,613
3,50,000	Loan from Miscellaneous Account	4,50,000 (2)
2,839	Deduction from Salary Bills (Deposit A/c)	0,096
16,09,725		17,06,280

Note: 1. The amount of accrued receipts outstanding as on 30-9-1973 was Rs. 3,44,356/- relating to the period upto 31-3-1972 and Rs. 1,11,867/- for the year 1972-73, amounting to Rs. 4,56,223/-. Out of this amount, records relating to an amount of Rs. 2,19,910/- for the period prior to 1967-68 are not available and a sub committee of the Press Management Board is looking into the matter.

2. An amount of Rs. 1.5 lakh\$ has since been repaid to miscellaneous account as on 30-9-1973.

PROFIT AND LOSS A/C OF UNIVERSITY PRESS FOR 1972-73

Opening Stock as on 1-4-1972

	Rs. Ps.	Rs.		Rs. Ps.	Rs.
1. Paper Material	84,054.00		By printing & binding	4,24,283.73	
2. Binding Material	5,224.00	89,278.00	(amount billed for)		
Work in progress	26,700.00	26,700.00	Sale of Waste Paper cutting	10,514.18	
EXPENSES:			Miscellaneous Receipts	51.15	
Pay & Allowance	3,47,091.02				4,34,849.06
P. F. Contribution	2,471.32		Work in progress and not billed for		5,700.00
E.S.I. Contribution	12,712.32	3,81,274.66			
MATERIALS:			STOCK IN HAND		
Paper	53,288.09		(i) Paper	74,679.83	
Binding	16,489.02	69,777.11	(ii) Binding	6,312.05	
					80,991.88
OTHER CHARGES :			Loss		67,778.15
1. Contingency	16,861.82				
2. Rent, Rate & Taxes	5,170.80				
3. Postage	156.70				
4. Factory Licence Fee	100.00				
		22,289.32			
Total		5,89,319.09			5,89,319.09

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing accounts and Balance Sheet of the University of Delhi and obtained all the information and explanations that I have required and subject to the observations in the Audit Report appended, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts and the Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the University according to the best of my information and explanations given to me as shown by the books of the University of Delhi, Delhi.

New Delhi
Dated: 22nd April, 1974

Sd/
(P.N. JAIN)
Accountant General, Central Revenues

AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF DELHI UNIVERSITY FOR THE YEAR 1972-73

1. Unrealised tuition fees, royalty etc.

An Amount of Rs. 14.22 lakhs due to the University remained unrealised as on 31st March, 1973. The details are as under: (In lakhs of rupees)

Tuition fees from students	2.48
Licence fee, dividends etc.	1.65
Computer Centre	9.62
Royalty	0.47
Total	14.22

Of the unrealised amount of Rs. 14.22 lakhs, Rs. 3.16 lakhs were outstanding as on 31st March, 1972.

Of the outstanding tuition fees of Rs. 2.48 lakhs, Rs. 1.51 lakhs were due for recovery as on 31st March, 1972. An amount of Rs. 0.26 lakh was due from students who had left the Universities.

The University stated (April, 1974) that, of the unrealised amount of Rs. 14.22 lakhs, Rs. 9.54 lakhs had been recovered by 25th March, 1974.

2. Contingent advances

Contingent advances paid upto March, 1973 to various departments of the University remained unadjusted till 31st July, 1973 as per details given below:

	(In lakhs of rupees)
1964-70	0.43
1970-71	0.42
1971-72	1.10
1972-73	4.01
Total	5.96

The University stated in April, 1974 that Rs. 3.75 lakhs had been adjusted by then.

3. Physical verification of stores etc.

Physical verification of stores and stock, required to be done yearly since 1964 in the Zoology Department. The verification last done in 1968 and 1969 in the Physics and Chemistry departments respectively disclosed shortages of stores etc. valued at Rs. 5.90 lakhs which are yet to be regularised. The University stated (March, 1974) that shortages in the Chemistry department of consumable stores and glassware valued at Rs. 3.55 lakhs were written off in June, 1973. Shortages for the balance of Rs. 2.35 lakhs were under investigation by Departmental committees set up by the Executive Council.

Physical verification of the books in the University's library conducted for the first time in July, 1972 disclosed shortages of 53,677 books. The University stated (March 1974) that the Librarian was taking action to re-verify the books and his report was awaited.

New Delhi, 22nd April, 1974

Sd/
(P.N. JAIN)
Accountant General, Central Revenues.

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL
EXCISE

Bombay-400038, the 23rd August 1974

No. 4.—Shri Mani Kant Sohal is appointed as Appraiser in the Bombay Custom House with effect from 9-7-1974 (FN) and until further orders.

No. 6.—Shri Amar Krishna Biswas is appointed as Appraiser in the Bombay Custom House with effect from 17-7-1974 (FN) and until further orders.

The 23rd August 1974

No. 7.—Shri Probanjan Kumar Mishra is appointed as Appraiser in the Bombay Customs House with effect from 25-7-1974 (FN) and until further orders.

The 22nd August 1974

No. 8.—Shri Suresh Narain Prasad is appointed as Appraiser in the Bombay Custom House with effect from 10-7-1974 (FN) and until further orders.

M. R. RAMACHANDRAN
Collector of Customs

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

Office of the Engineer-in-Chief

New Delhi, the 26th August 1974

No. 5/2/71-ECI.—The President is pleased to appoint Shri A. V. Krishna Rajendra, formerly Assistant Engineer (Elect) Central Elect. Sub-Division No. III, C.P.W.D., Madras, on the results of the Engineering Services Examination, held in 1972 on probation to the Central Electrical Engineering Services Class I, in the Central P.W.D. against a temporary post of Asstt. Executive Engineer (Elect.) with effect from 14-3-1974 (F.N.).

No. 5/2/71-ECI.—The President is pleased to appoint Shri Lal Chand Raha, on the result of the Engineering Services Examination held in 1972, on probation in C.E.S. Class I, in the Central P.W.D., against a permanent post of Asstt. Executive Engineer (Civil) with effect from 18-7-74 (F.N.)

DHAN RAJ
Dy. Director of Administration

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 23rd August 1974

No. 15.—Shri V. S. Saxena, Asstt. Personnel Officer (Class II), Northern Railway, has finally retired from service w.e.f. 31-7-74 A.N.

C. S. PARMESWARAN
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
In the matter of the Companies Act, and of CHIRKUNDA
ROLLING MILLS PRIVATE LIMITED

Patna, the 23rd August 1974

No. 9(975)73-74,2467.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

the name of the CHIRKUNDA ROLLING MILLS PRIVATE LIMITED has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies

Hyderabad, the 26th August 1974

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/S STAR
MOVIETONE PRIVATE LIMITED

No. 386/T(506).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/S STAR MOVIETONE PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/S
ALLWYNS COFFEE COMPANY PRIVATE LIMITED

Hyderabad, the 26th August 1974

No. 433T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of M/S ALLWYNS COFFEE COMPANY PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies

Kanpur, the 26th August 1974

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s
ANUPAM SHOE COMPANY PVT. LTD.

No. 8/102/2943.LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/S ANUPAM SHOE COMPANY PVT. LTD. unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. C. BASU
Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the
matter of SOWBAGYA CHIT FUNDS PRIVATE
LIMITED

(Section 445 of the Companies Act, 1956)

No. 6134/Cliqn.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 15th February 1974, passed in C.P. No. 75 of 73 the company SOWBAGYA CHIT FUNDS PRIVATE LIMITED, was wound up.

P. ANNAPURNA
Addl. Registrar of Companies

FORM ITNS—

(2) Sri Ramanand Agarwala 8, Madan Mohan Burman St, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC-35/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/2 situated at Alipore Park Place, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Jain (2) Sri Champalal Jain both of 2, Raja Woodmunt St. Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in piece of land measuring 8 Cottahs, 5 Chittacks & 34 sq. ft. at 10/2, Alipore Park place Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date . 30-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC32/R-II/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 11 situated at 8A, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 27-12-73.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeds for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Murlidhar Jindal 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Mrs. Sarda Devi Tantia 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in flat No. 11 of (6th floor) 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 30-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC-30/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. L. Butani, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 601 situated at Block-"O", New Alipore, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Sub-Registrar Alipore Sadar, Calcutta on 13-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Swarup Kumar Jana P. O. & Vill Contai Dist. Midnapur (West Bengal).

(Transferor)

- (1) Sri Satyendra Nath Mazumdar, Advocate 718, Block P, New Alipore, Calcutta.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land measuring 3.78 cottahs comprising of Plot No. 601, Block "O" New Alipore, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-1.

Date . 30-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1051/74-75.--Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8317 of December, 1973 situated at Mohalla Gur Gopal Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Paramjeet Singh, Tejinder Singh, Amrit Pal ss/o Shri Gur Gopal Singh s/o S. Waryam Singh of Gurah Vehnda presently R/o Vill. Dakota Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh s/o Shri Mehanga Singh s/o Shri Kanhia Singh R/o Khaira Majha Teh. Jullundur (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8317 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date: 29th June 1974

Seal:

FORM ITNS—

(2) Sunderdas S/o Shri Chattaram,
R/o 47, Jairampur Colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 5th September 1974

Rel. No. SR/INDORE/15-12-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 69, Katju Colony House, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radheshyan S/o Shri Hariyomal,
R/o 10/6 Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 69, Katju Colony, House, Indore.

M. F. MUNSHI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5.9.1974

Seal :

FORM I T.N.S.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC-31/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Flat No. 11 situated at 8A, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office Registrar of Assurances, Calcutta on 27-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Murlidhar Jindal, 8A, Alipore Rd., Calcutta.
(Transferor)
- (2) Mrs. Ginni Devi Tanti, 8A, Alipore Rd., Calcutta.
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in flat No. 11 (7th floor) of 8A, Alipore Rd., Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-1.

Date 30-8-1974.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1048/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 7533 of December, 1973 situated at Vill. Mahal Subedar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Universal Ind & Finance (P) Ltd, Dilkusha Market, Jullundur through Shri Naunihal Singh Managing Director. (Transferor)

(2) Smt. Tej Kaur w/o Shri Darshan Singh s/o Shri Labh Singh V Charrar Teh. Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7533 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar

Date : 29th June 1974

Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'T. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHÉE

SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC-29/R-II/74-75.—Whereas, I, R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107 situated at Alipore Road, Mouza Chetla, P.S. New Alipore Distt. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Joint Sub Registrar of Alipore, Behala on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- 1 (1) Sri Suprasanta Das Alias Subhas Ch. Das s/o Late Goti Lal Das
- (2) Sm. Usaram Das, wife of Late Goti Lal Das.
- (3) Sm. Kamala Das, wife of late Goti Lal Das.
- (4) Sm. Umarani Basu wife of Sri Atun Kanti Basu. All of 242, S N. Roy Road, P. S. Behala, Distt. 24-Parganas.

(Transferors)

2. Sri Mohan Chandra Dutta S/o Late Hari Pada Dutta I, Chetla Hat Road, P. S. Alipore, Dt. 24-Parganas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date & place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Cottabs 3 Chittacks at No. 107, Alipore Road, Mouza Chatla, P. S. New Alipore, Dt 24-Parganas.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-1.

Date, 30-8-1974.

Seal;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Rel. No. ASR/JUL/AP-1046/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 8053 of December, 1973 situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lakshmi Devi Bhardwaj w/o Shri P. P. Bhardwaj through Shri Sham Kumar Bhardwaj s/o Shri Sat Pal Bhardwaj R/o Central Town, Jullundur c/o M/s Sat Pal Pandit & Co., Property Dealers, Jullundur. (Transferor)

(2) M/s Hero Enterprises (P) Ltd. Jullundur through Shri Vijay Sethi, Joint Manager c/o M/s S. P. Corporation, 11, Shastri Market, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8053 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 29th June 1974

Seal:

FORM ITNS—

(2) Shri Ghanshyamdas Chattaram,
R/o 10/6 Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th September 1974

Ref. No. SR/INDORE/15-12-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 69, Katju Colony House, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radheshvan S/o Shri Hariyomal,
R/o 10/6 Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 69, Katju Colony, House, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal.Date : 5.9.1974
Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Sai Sivasailam Stores,
S/Sri I. S. Mohanarao, 2 S. Krishnarao, 3. S. Na-
rayanarao, 4. Smt. S. Papai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 18th July 1974

Ref. No. J. No. I(1866)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 48-19-11 Assilimetta Junction, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

31-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Esso Eastern INC,
17, Jamshedji Tata Road, Bombay-400020.
(Transferor)

16-246GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Dist.—Town Survey No. 630—Block No. 25—Allipuram Ward—Door No. 49-19-11—Municipal Asst. No. 31230 Assilimetta—Adjacent to the Main Road leading Waltair Station.

North : Sri Krishna Motor Engineering Workshop
South : Station Road
East : 35 feet lane
West : Major Venkalah's Building.

K. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 24-7-1974

Seal :

Form No 1 T N S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref No ASR/JUL/AP 1047/74-75 —Whereas I, D. S Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing T and as mentioned in the Registered Deed No 7991 of December, 1973 situated at Near Tanda Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manjit Singh s/o Shri Amar Singh, Shri Amar Singh s/o Shri Santa Singh of Village Raipur Rasulpur and Balwant Singh s/o Shri Sadhu Singh, Sadhu Singh s/o Shri Santa Singh of Mohalla Krishan Nagar, Nakodar Distt Jullundur (Transferors)

(2) Shri Gurbux Singh, Gurdev Singh s/o Shri Amar Singh s/o Shri Ganda Singh Lamberdar of Vill. Reru. (Transferees)

(3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 7991 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur

D. S GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. N. Chakraborty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/903/1900/74-75.—Whereas, I. V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. II of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Pestom Sagar in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-plot No. II of Sector 'B' and containing by admeasurement 684 sq. yds. or thereabouts equivalent to 571.824 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-plot is bounded as follows that is to say : On or towards the North by Sub Plot No. 10 of the said layout scheme On or towards the South by Garden of the said layout scheme and On or towards the East by 30 ft. Service Road of 'B' Sector and On or towards the West by : Trust property.

V. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5th August, 1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd July 1973

Ref. No. CR.62/2013/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 42, 53, 52 and 43 situated in Industrial Suburb, Rajajinagar, Bangalore (full detailed in schedule), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore on 22-12-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. N. Kameswari w/o Late Dr. N. Jaraman,
2. Shri J. Rajaram,
3. Shri J. Kashinath,
4. Smt. J. Ramadevi,
5. Smt. J. Kamala,
6. Smt. J. Vimala,
No. 550, 8th Main Road, Malleswaram, Bangalore.
7. Smt. J. Kalyani w/o Nagarajan,
No. 54, 13th Cross, Malleswaram, Bangalore.
8. Smt. J. Jayalakshmi w/o Shri Gopalan,
550, 8th Main Malleswaram, Bangalore.
(Transferor)

- (2) M/s. Bangalore Oil and Cake Industries (P) Ltd.,
1 Main Road, N.T. Pet, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Site No. 42 and 53 measuring $100 \times \frac{392+390 \cdot 2}{2}$ with sheds, godowns, buildings, office rooms, store rooms, boilers, trees, well, water connections, electric connections, fittings, fixtures and machineries.
2. Site No. 43 and 52 measuring $100 \times \frac{392+393}{3}$ with sheds, godowns, buildings, office rooms, store rooms, boilers, trees, well, water connections, fittings and fixtures and other machineries.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore-27

Date : 22-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No AC-34/R-II/Cal/74-75 —Whereas, I, R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 10/2 situated at Alipore Park Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Registrar of Assurances, Calcutta on 29-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Jain (2) Sri Champalal Jain
Both of 2, Raja Woodmunt St., Calcutta.

(Transferor)

- (2) Sri Omprakash Gupta, 14-A, Sarkar Lane, Calcutta.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in piece of land measuring 8 Cottahs, 5 Chittacks & 34 sq. ft. at 10/2, Alipore Park Place, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-1.

Date 30-8-1974.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 16th July 1974

Ref. No. CR.62/1973/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, situated at Kumarcot layout, Kumarakrupa Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on December 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. S. Bhanu, 2. Shri Murali Bhanu minor by Guardian Shri K. S. Bhanu, No. 6, Sri Krishna 1st Cross, Jayamahall Extension, Bangalore-6. (Transferor)

- (2) Shrimati Parimala Desai of Dr. P. R. Desai, Health and Family Planning Services and Investment (p) Ltd., No. 44, Kumarakrupa Road, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 17, Kumarcot layout, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore measuring 60'×40'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 16-7-1974.
Seal :

FORM ITNS ———

(2) Shri Syed Abdul Hafeez, No. 1-A, Bore Bank Road, Bangalore-1, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1989-A/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3697) on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Guru Raddi, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cacant site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring $45' \times \frac{72' + 60'}{2}$ facing Benson Cross Road, Bangalore.

2

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1994/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136, situated at Old Taluk Katcheri Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexure hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore on 20-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ishak Yousuf,
No. 54, Lavellee Road,
Civil Station,
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shrimati Gulbano Razak,
No. 10, New High School Road,
V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferee)

- (3) M/s. K. H. Shama Rao and Sons,
No. 136, O.T.C. Road,
Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 136, Old Taluk Cutchery Road,
Bangalore City.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 9-7-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri G. Ramaiah Reddy,
No. 157, Domlur,
Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/2222/73-74/ACQ(B).—Whereas, I R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore, (Document No. 4346) in January 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 289C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail
No. 28 St. John's Church Road,
Bangalore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land measuring $59' \times \frac{52' + 41'}{2}$ in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,
123 MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1974

Ref. No. F. 2108/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Door No. situated at New T S. No. 1205 (Part), T S. Ward No. I, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on 13-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri C. B. Venkatesan, 2. Shri C. B. Srinivasan,
3. Shri C. B. Suresh, S/o late Bashyam Iyer, Nos.
1 and 2, Arts College Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt M. Ayesa Khani Ammal,
W/o Shri K. S. K. Mohamed Haneefa,
7/17 State Bank Road, Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 19 cents bearing New T.S. No. 1205 (Part) (T S Ward I) situated on the Huzur Road, Coimbatore

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,

Madras-6

Date 27-7-1974

Seal -

FORM ITNS—

(1) Shri Mohanlal Basudeo Sigtia
Smt. Leelakumari Mohanlal Sigtia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri 1. Panchabhai Bhagwanji Patel, 2. Kanilbhai Bhagwanji Patel, 3. Rajabhai Bhagwanji Patel 4. Bhagwanji Ramji Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 6th August 1974

Ref. No. AR-II/909/1906/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 186, TPS No. II, City S. No. 1613 situated at Vile Parle (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon, situate lying and being at Dikshit Road, Vile Parle (East) in Greater Bombay Area in the Registration District Bombay Suburban Sub-District Bandra bearing Plot No. 186 of Town Planning Scheme No. II, Vile Parle containing by admeasurement 947.30 square metres equal to 1133 sq. yds. or thereabouts and bearing City Survey No. 1613 of Vile Parle Taluka Andheri and bearing Municipal 'K' Ward No. 374 (1 & 2 Street Nos. 13 and 13A of Dikshit Road and bounded as follows:—That is to say On or towards the East by the property belonging to Basantidevi Prahladrail Dalmiya; On or towards the West by the Municipal Nalla and beyond that by Final Plot No. 187 of T.P. Scheme No. II; On or towards the North by the Public Road known as Dikshit Road; and On or towards the South by the property bearing Final Plot No. 183 of T.P. Scheme No. II.

V. R. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II

Bombay

Date: 6th August, 1974

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref No. ¹ CR.62/1989-A/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document 3706) on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri R. Dasarath, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 39'-9" by 65'-6".

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
AAVAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay 20, the 2nd August 1974

Ref. No. AR/III/396/74-75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar, the inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 184 S. No 161 (Part) situated at Pahadi, Goregaon (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/ Laxmi Asbestos Products, Ltd.,
Shreerawas House, Waudby Road, Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

- (2) Shri Sagarmal Sethia,
Shri Fathechand Kundalia,
C/o C. Sethia & Co., Forbes Street,
Fort, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground being Plot No. 184 situate lying and being in the Village Pahadi Goregaon (West) Taluka Borivli in the Registration Sub-District Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay bearing Serial No. 161 (part) and admeasuring 850 sq. yds. equivalent to 710.70 sq. metres and bounded as follows: that is to say on or towards the East by 30 feet wide Road, on or towards the West by Plot No. 187, on or towards the North by Plot 185 on or towards the South partly by Plot No. 183 and partly by Plot No. 188.

R. G. NERURKAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Bombay

Date: 2nd August, 1974

Seal:

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1988-B/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore (Document 3901) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri R. Raghava Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore, measuring 46'-5"×45'.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal

FORM ITNS

(2) Shri R. Raghava Reddy, No 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1988-C/73-74/AQ(CB).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3902) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Syed Ismail, No 28, St John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 59' x 50'

R KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II—2nd Floor
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 19th July 1974

Ref. No. 117 Acq 23-186/6-1/71-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No 9 and Garage No. 5 of Purohit Apartments situated at Sayaji-ganj Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Baroda on 10-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manubhai Dahyabhai Purohit, Advocate,
Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

- (2) Maharaj Kumari Vijaya Kumari
Bhawani Pratap Singh and minor Rajkumar Sumer-
singh represented by his father Bhawani Pratapsingh,
9, Purohit Apartment, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 and Garage No. 5 of Purohit Apartments bearing Municipal Census No. Sa/2749/1 (old) and Sa/13-251 (New) a Sayaji-ganj Baroda as described in the Sale Deed bearing Registration No. 4664 of December 1973 of Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 19th July 1974

Seal .

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/905 1902/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 13 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Shri P. A. Narayanan,
(Transferee)

18—246GI/74

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Pestom Sagar in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No. 13 of Sector 'B' and containing by admeasurement 875 sq. yds. or thereabouts equivalent to 731.50 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-plot is bounded as follows that is to say : On or toward the North by 30 ft. Service Road of 'B' Sector of Shrinagar Co-op Hsg. Soc. Ltd.; and On or towards the South by proposed 90 ft. road and On or towards the East by Plot No. 14 of the said layout scheme; and On or towards the West by Plot No. 12 of the said layout Scheme.

V. R. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.

Bombay

Date : 5-8-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri C H Ramkrishnan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
AAYAKAR BHAVAN M. KARVE MARG
BOMBAY-20

Bombay-20 the 5th August 1974

Ref No AR-II/947/1936/74-75.—Whereas, I, V R Gupte, the Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Sub Plot No 3 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 26-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shrinagar Co-op Housing Society Ltd (Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being Chembur Pestom Sagar in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub Plot No 3 of Sector 'B' and containing by admeasurement 624 sq yds or thereabouts equivalent to 521 664 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,226 00 sq yds or thereabouts. The said Sub-Plot is bounded as follows that is to say : On or towards the North by 'A' Sector of the Vendors (Shrinagar Society), On or towards the South by 30 ft Service Road of 'B' Sector, On or towards the East by 30 ft Service Road of 'B' Sector and On or towards the West by Plot No 4 of 'B' Sector

V R GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Bombay

Date 5th August 1974

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indumati H. Purandare.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/907/1904/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 12 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person, to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Pestom Sagar, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No. 12 of Sector 'B' and containing by admeasurement 750 sq. yds. or thereabouts equivalent to 627.00 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-plot is bounded as follows that is to say : On or towards the North by 30 ft Service Road; On or towards the South by proposed 90 ft. Road; On or towards the East by Plot No. 13 of Sector B of the said layout scheme, and On or towards the West by Garden of Sector B of the said layout Scheme.

V. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5th August, 1974

Seal :

FORM ITNS— — —

(2) Billshwar Darshan Co-op Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)

(3) Members.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALI, that piece or parcel of land of ground with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon, situate, lying and being and being at Dikshit Road, Vile Parle (East) in Greater Bombay Area in the Registration District Bombay Suburban Sub-District Bandra bearing Plot No. 186 of Town Planning Scheme No. II, Vile Parle containing by admeasurement 947.30 square metres equal to 1133 sq. vds. or thereabouts and bearing City Survey No. 1613 of Vile Parle Taluka Andheri and bearing Municipal 'K' Ward No. 374 (1 & 2) Street Nos. 13 and 13A of Dikshit Road and bounded as follows :—That is to say On or towards the East by the property belonging to Basantidevi Prahladrail Dalmiya; On or towards the West by the Municipal Nalla and beyond that by Final Plot No. 187 of T.P. Scheme No. II; On or towards the North by the Public Road known as Dikshit Road; and On or towards the South by the property bearing Final Plot No. 183 of T.P. Scheme No. II.

V. R. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II

Bombay.

Date : 6th August, 1974

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 6th August 1974

Ref. No. AR-II/911/1908/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 186 T.P.S. No. II, City S. No. 1613 situated at Vile Parle (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S Shri 1. Bhagwanji Ramji Patel, 2. Rajabhai Bhagwanji Patel, 3. Kanji Bhagwanji Patel, 4. Pan-chabhai Bhagwanji Patel.

(Transferors)

FORM ITNS—

(2) Shri G. Ramaiah Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-A/73-74/ACQ(B).—Whereas I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing plot of land in premises No. 79 situated at Nandidurga Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3702) on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore, measuring 40' by 65½'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd August 1974

Ref. No. AR/III/394/74-75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 169, S. No. 161, situated at Pahadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreeniwas House, Waudby Road, Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

(2) Natwailal Somani,
Agrawal Niwas, Block No. 3,
Matunga, Talang Road, Bombay-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece and parcel of land or ground being plot No. 169 situate lying and being in the village Pahadi Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration sub-District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing Survey No. 161 (Pt.) and admeasuring 830 sq yds. equivalent to 693.96 sq. metres or thereabout and bounded as follows that is to say :

On or towards the East by 30 ft. wide Road,
On or towards the West by Plot No. 172.
On or towards the North by Plot No. 170.
On or towards the South by Plot No. 168.

R. G. NERURKAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III

Bombay.

Date : 2nd August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/948/1951/74-75—Whereas, I. V. R. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub Plot No. 4 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) is the following persons, namely :—

(2) Shri Govind Manjunath Kamath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being Chembur, Pestom Sagar, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No 4 of Sector 'B' and containing by admeasurement 616 sq. yds. or thereabouts equivalent to 514.976 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-plot is bounded as follows that is to say : On or toward, the North by : A Sector of the Vendors (Shrinagar Society); On or towards the South by : 30' Service Road of 'B' Sector of Shrinagar Society; On or towards the East by : Plot No. 2 of 'B' Sector and On or towards the West by Plot No. 5 of 'B' Sector.

V. R. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II

Bombay

Date : 5th August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. H. Ramnath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th august 1974

Ref. No. AR-II/949/1952/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 6 of Sector B situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Peston Sagar, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Sub-urban bearing Sub Plot No. 6 of Sector B and containing by admeasurement 616 sq. vds. of thereabouts equivalent to 514.976 sq. mtrs. excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yards or thereabouts. The said sub-plot is bounded as follows that is to say : On or towards the North by 'A' Sector of the property of the Vendors the Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.; On or towards the South by 30 ft. Service Road of 'B' Sector of the said layout. On or towards the East by Plot No. 5 of 'B' Sector; and On or towards the West by Plot No. 7 of the said 'B' Sector.

V. R. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Bombay

Date : 5-8-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) The Highfield Tea & Rubber Industries
Private Ltd
Coonoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,
173, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1974

Ref. No. F. 2124/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. situated at Ritz Hotel, Coonoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Coonoor on 24-12-1973

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely :—

- (1) The Ritz Private Ltd.
199, Churchgate Reclamation,
Bombay-20

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building, fittings, furniture, etc.) admeasuring 7 00 5/16 acres bearing R. S. No. 911/1 and 912 known as "Ritz Hotel", Coonoor.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-2,

Madras-6

Date : 27-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Ramswamy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/906/1903/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub Plot No. 5 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground situate lying and being Chembur, Pestom Sagar, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No. 5 of Sector 'B' and containing by admeasurement 616 sq. yds. or thereabouts equivalent to 514.976 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-Plot is bounded as follows that is to say : On or towards the North by Sector A of the Vendors (Shrinagar Society) and On or towards the South by 30 ft. Service Road of 'B' Sector of Shrinagar Society and On or towards the East by Plot No. 4 of 'B' Sector and On or towards the West by Plot No. 6 of 'B' Sector.

V. R. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Bombay

Date : 5th August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Sri Sivasailam Store,
S/Sri I. S. Mohanrao, 2. Krishnarao, 3. S. Narayana-
rao, 4. Smt. S. Papai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 24th July 1974

Ref. No. J No. I(1866)/73-74.—Whereas I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

48-19-11 situated at Assilumetta Junction Visakhapatnam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Visakhapatnam on 31-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s Esso Eastern INC.
17, Jamshedji Tata Road,
Bombay-400020.

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Dist.—Town Survey No. 630—Block No. 25—
Allipuram ward—Door No 48-19-11—Municipal Asst. No.
31230—Assilumetta—Adjacent to the main Road leading
Waltair Station.

North : Sri Krishna Motor Engineering workshop
South : Station Road
East : 35 feet lane
West : Major Venkaiah's building.

K. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada

Date : 24-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 6th August 1974

Ret. No. 2123/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

door No. 19 situated at Gongalamman Koil Street, Erode-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Erode on 27-12-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Thayammal W/o T. Shanmugam Pillai,
No. 29, Madhava Krishnan Street
Erode.

(Transferor)

- (2) 1 Smt. Fiviri Devi and
2 Shri Shah Indermal,
No. 19 Gongalamman Koil Street,
Erode

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.89 cents (with building) and bearing T S No. 140 situated at Door No. 19, Gongalamman Koil Street Erode

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,

Madras-6

Date : 6-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-B 73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3705) on 3-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri R. Guru Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant site in Premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 40'-6" by 59'.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(3) Sri Rajiv Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta

Person in occupation of the property

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, P-13 CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA 1

Calcutta 1, the 3rd September 1974

Ref No AC-37/R-II/Cal/74-75—Whereas, I R L Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value No 8A situated at Alipore Road, Calcutta exceeding Rs 25 000/- and bearing No 8A situated at Alipore Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances Calcutta on 28.12.1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Sri Rajiv Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta
(Transferor)

(2) Sri Prannath Kayship, Flat No 55, Ambassador Apartments 61/A, Park Street Calcutta
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided on half equal share on the second floor being Flat No 15 in the building known as "Jindal House" at premises No 8A, Alipore Road, Calcutta

R L BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
P-13 Chowringhee Square, Calcutta-1

Date 3-9-1974

Seal

FORM ITNS—

(2) Shri R. Gurn Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-D/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3905) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in Premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 59'×50'.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)
 (2) Shri R. Guru Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-A/73-74/ACQ(B).—Whereas I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3704) on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore, measuring 41'×59'.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1974

Ref. No. F.3103/73-74.—Whereas, I A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Door No. situated at New Survey No. 94-2 (0-88 cents), Alangudi Village, Alangudi Taluk, Trichy District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alangudi on 29-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sarvashri I. Mohamed Yusoof Rowther; 2. Gulam Maitheen Rowther; 3. Syed Abbas Rowther; 4. Syed Ibrahim Rowther; and 5. Mohamed Ibrahim Rowther. Alangudi, Trichy District,

(Transferor)

- (2) Shri P.K.S. Kader Sahib Rowther,
S/o Shri P. K. Syed Ibrahim Rowther
Alangudi (Trichy District)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building well and trees, etc.) admeasuring 88 Cents (eightyeight cents) and bearing New Survey No. 94-2, Assessment No. 10 situated at Door No. 13, Alangudi (Trichy District).

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 27-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri G. R. Warriar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20 the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/190/1901/74-75.—Whereas J. V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 10 Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 6-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shrinagar, Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Pestom Sagar in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No. 10 of Sector 'B' and containing by admeasurement 694 sq. yds. or thereabouts equivalent to 580.184 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-Plot is bounded as follows that is to say : On or towards the North by Sub Plot No. 9 of the said layout scheme, On or towards the South by Sub Plot No. 11 of the said layout Scheme. On or towards the East by 30 ft. Service road of 'B' Sector and On or towards the West by Trust property.

V. R. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II

Bombay

Date : 5th August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Bhattiya Udyog, through Pratap Chand, partner, 77/6, Coolie Bazar Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR(1) Shri Bindu Charan Gupta,
77/5, Coolie Bazar, Kanpur;
Shri Chaman Lal Agarwal,
112/210, Swaroop Nagar, Kanpur;
Shri Rajendra Kumar Gupta,
76/359-A, Coolie Bazar, Kanpur;
M/s. Dharam Chand Dwarka Das,
77/6, Coolie Bazar, Kanpur.(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Kanpur, the 1st August 1974

Ref. No. 73/Acq./KNP/73-74/1346.—Whereas, I. Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. 77/6 situated at Coolie Bazar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 27-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Anand Prakash,
Smt. Suman Gupta,
Smt. Reshma Gupta, and
Shri Om Prakash,
All residents of 7/198 Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing municipal No. 77/8, situated at Coolie Bazar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-8-74

Seal :

FORM ITNS—

(3) Shri T. G. Mathew,
79/4, Nandidurga Road,
Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 11th July 1974

Ref. No. CR.62/1990/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/4 situated at Nandidurga Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore on December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri R. Guru Reddy,
157, Domlur, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shrimati Dr. Pramila Byahatti,
D/o Shri Chandappa Patel,
No. 20, Kasturba Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the publication of this notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 79/4, situated on Nandidurga Road, Bangalore-6.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore-27

Date : 11-7-1974

Seal :

Form No. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1974

Ref. No. 169/Acq.R-III/74-75/Hooghly.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza Dirghanga, P.S. Serampur, Dist. Hooghly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances Calcutta on 10-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Kailash Chandra Sengupta,
2. Ganesh Ch. Sengupta,
3. Sm. Bela Sengupta w/o Kailash Ch. Sengupta,
All of 19, Jatindas Rd., Calcutta.

4. Sm. Kanaklata Sengupta w/o Sailesh Ch. Sengupta, Panbazar, Gauhati, Assam, and residing at 19 Jatindas Road, Calcutta.
All partners of a transfers under the name and style of Baidyabati Ice and Cold Storage.

(Transferor)

- (2) Magra Cold Storage Pvt. Ltd. of 69, Ganesh Ch. Avn., Calcutta-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece and parcel of land measuring 5 bighas 4 cottahs 0 chattrak 9 sq. ft. in Mouza Dirghanga, J.L. No. 4 Touji No. 144, P.S. Serampur, Dist. Hooghly and presently being Holding No. 77/51, G.T. Road, in Ward No. 3 under Baidyabati Municipality, P.S. Serampur, Dist. Hooghly together with building staff quarters, machineries, Ice-plant & office-furniture etc. registered by deed No. 7236 of 1963 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III.

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date : 2nd August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No CR 62/1988-A/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No 3903) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

. Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri R. Raghava Reddy, 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to carry every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 59'-9"×45'+35' in premises No. 79,

2

Nandidurga Road, Bangalore

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 11th July 1974

Ref. No. CR.62/1922/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/2 situated at Nandidurga Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Dasarath,
157, Domlur, Bangalore

(Transferor)

(2) Shrimati Sangamma w/o Shri Shivashanappa
Patil, Nehru Gunj, Gulbarga.

(Transferee)

(3) Shri R. C. Manchanda,
79/2, Nandidurga Road,
Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No 79/2, situated on Nandidurga Road,
Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore-27

Date : 11-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Syed Abdul Rasheed Saheb,
No. 88, New Ramboo Bazar,
Bangalore City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 2nd July 1974

Ref. No. CR.62/2021/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19, Albert Street situated at Richmond Town, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore on December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shrimati Shantha Sheela B. Shetty,
w/o Shri K. B. Shetty, No. 6, Ashley Park
Mahatma Gandhi Road, Bangalore.
2. Smt. Sarojini N. Hegde,
w/o Shri Mohandas N. Hegde,
No. 37-8, Cunningham Cross Road,
Bangalore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building site bearing No. 19, Albert Street, Richmond Town, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date : 2-7-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreeniwas House Waudby Road, Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd August 1974

Ref. No. AR/III/394/74-75—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 169, S. No. 161, situated at Pahadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer Sub-Registrar's Office Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Natwarlal Somani,
Agrawal Niwas, Block No. 3,
Ma'unga, Talang Road, Bombay-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece and parcel of land or ground being plot No. 169 situate lying and being in the village Pahadi Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration sub-District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing Survey No. 161 (Pt.) and admeasuring 830 sq. yds. equivalent of 693.96 sq. meters or hereabout and bounded as follows that is to say:

On or towards the East by 30 ft. wide Road.
On or towards the West by Plot No. 172.
On or towards the North by Plot No. 170.
On or towards the South by Plot No. 168.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 2-8-1974

Seal:

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-C/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3904) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore, (Transferor)
- (2) Shri R. Guru Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant building site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore, measuring 45' × 46'-6".

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Raghava Reddy, 157, Domlur, Bangalore-7 (Transferor)

(2) Shrimati M. Najma Begum w/o Dr. Jameel Ahmed, No 79/3, Nandidurga Road Bangalore, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 11th July 1974

Ref No CR 62/1980/73-74/ACQ(B) —Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 79/3, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on December, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No 79/3, Nandidurga Road, Bangalore

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date 11-7-1974
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Hari Mohan Moondra,
C/o. Vijay Trading Corp.
21-A, Brahmanwada Road, Vishnu Bhavan,
King Circle, Bombay-19.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
AAYAKAR BHAVAN M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd August 1974

Ref. No. AR/III 395/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay,

Nerurkar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 154 S. No. 161 situated at Pahadi, Goregaon (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Sub-Registrar's Office Bombay on 12-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Iaxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreenivas House Waudby Road, Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 154 S. No. 161; M.G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (West) admeasuring 693.84 sq. mts. equivalent to 830 sq. yds.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 2nd August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref No. ASR/AP-1052/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 7715 of December, 1973 situated at Dhaul Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satinder Singh s/o Shri Narinder Singh Sarkaria, Village Dhaul Kalan, Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) S/Shri Major Singh, Jarnail Singh, Lakhbir Singh, Gurnam Singh, Ranjit Singh s/o Shri Jagir Singh V. Khairabad. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7715 of December, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Amritsar

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st September 1974

Ref No SR/INDORE/15-12-73—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing House No 17, Narayanbagh, 75'x50' built up area 1565 sq ft, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 11-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely,—

(1) Smt Kamlabai Tulapurkar Widow of Late Shri Bhalchandra Shastri Tulapurkar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gopinath Rane, S/o Shri Ramchandra Rao Rane, R/o House No. 38, Sikh Mohalla, Indore, M P

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 17 plot No. 41 Narain Bagh Colony, Indore.

M F MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date 30 9 1974
Seal :

FORM ITNS—

2. Smt. Sarojini M. Hegde,
w/o Shri Mohandas N. Hegde,
No. 37-8, Cunningham Cross Road,
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Aneesur Rehman Saheb,
Taj Hotel, Old Poor House Road,
Bangalore-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 2nd July 1974

Ref. No. CR.62/2020/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18, Albert Street situated at Richmond Town, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivajinagar, Bangalore in December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Shantha Sheela B. Shetty,
W/o Shri K. B. Shetty,
No. 6, Ashley Park, Mahatma Gandhi Road,
Bangalore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building site bearing No. 18 Albert Street, Richmond Town, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 2-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1054/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 8205 of December, 1973 situated at Police Lane Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karam Pal Singh Sandhu,
s/o Shri Udham Singh Sandhu,
R/o Salala Teh.
Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Purshotam Dev Dhir,
s/o Shri Ram Sahaj Dhir,
Hoshiarpur Road,
Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8205 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(2) Smt. Gurnam Kaur w/o Shri Pritam Singh s/o Shri Mehanga Singh R/o Khaira Majha Teh. Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 29th June 1974

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No ASR/PUL/1050/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8318 of December, 1973 situated at Moh. Gur Gopal Nagar, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8318 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

(1) Shri Paranjit Singh & Tejinder Singh Amritpal Singh SS/o Sh. Gurgopal Singh s/o Shri Warvam Singh of Garha Vehnda now R/o Vill. Dakoha Teh. Jullundur. (Transferor)

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Thakurdas S/o Shri Chimandas,
865 Hari Phatak Mhow

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal the 5th September 1974

No SR/INDORE 31-12-73—Whereas I M F Munshi, being the competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No 18/1, Mahatma Gandhi Marg, Indore—Area 4729 sq ft with incomplete two floors situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to be following persons, namely —

- (1) Shrimati Rani Ramakumari Sahiba
W/o Rana Subeina Shamsheer Jang Bahadur
18 Mahatma Gandhi Marg Indore

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 18/1 Mahatma Gandhi Marg Indore, Area 4729 sq ft with incomplete two floors

M F MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 5 9 1974
Scal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1057/74-75.—Whereas, I, D.S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 8419, 8420, 8421, 8422 and 8423 dated December, 1973, situated at Dilkusha Market Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh Mann s/o Shri Basant Singh, 389 Lajpat Nagar, Jullundur.
Shri Naunihal Singh s/o Shri Guralp Singh
Giani Shankar Singh s/o Shri Bal Singh,
Shri Swaran Singh Johal s/o Shri Labh Singh,
Shri Jagir Singh s/o Shri Partap Singh,
s/o Management Officer, Dilkusha Market,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Jawand Singh,
Smt. Banti w/o Shri Jawand Singh,
Shri Gurdev Singh s/o Shri Jawand Singh,
Shri Joginder Singh s/o Shri Jawand Singh,
Shri Jawand Singh s/o Shri Arjan Singh,
Village Gadowali, P.O. Samipur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8419, 8420, 8421, 8422 and 8423 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/Phl/AP-1060/74-75 —Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No 3610 of December, 1973, situated at V. Ganna Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurditta Mal s/o Shri Jawala Dass,
s/o Shri Dev Ditta R o Phillaur.

(Transferor)

- (2) Shri Rachpal Singh s/o Shri Pitam Singh,
s/o Shri Malla Singh,
V. Haripur,
through Shri Gurmit Singh s/o Rulia Singh,
V. Aiyala Dhak.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3610 of December, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILD-
ING 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref. No. IAC/ACQJ/SR-III/Feb-II/1675/74-75/2508.—

Whereas I, D. B. Lal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28 A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 18-2-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Andhra Pradesh Electrical Equipment Corpn; Prop. M/s Electric Construction & Equipment Co. Ltd., 28 A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)

- (2) M/s. Shah Charitable Trust
(through its Trustees Sh. L. P. Shah,
Sh. S. S. Shah & Sh. H. P. Sharma)
55, Lansdown Road, Calcutta.

(Transferee)

- (3) M/s. Burnmah Shell Oil Storage & Distributing Co.
28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

500 sq ft. built up area on the ground floor of Annexe-II building at 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along with 1/60th undivided share in land and ground comprised in the said property together with right title and interest in the bathrooms, lifts isolators, LT/HT Switchgear busbar chambers, water reservoirs and water tanks airconditioning units, water cooling towers, electric motors and pumps and other things and articles of commons use convenience and amenities.

D. B. LAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.Date : 6.9.1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1045/74-75 —Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 8054 of December, 1973 situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Miss Nalni Dutta w/o Sh. Satya Dev Datta of Lado-wali Road, Jullundur and Smt. Savtanter w/o Sh. S. P. Krishana of Lajpat Nagar, Jullundur. (Transferor)

- (2) M/s Hero Enterprises (P) Ltd. through Joint Manager, Vijay Sethi c/o S. P. Corporation, 11, Shastri Market, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8054 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Stel Tubes of India Pvt. Ltd., R/o 27/34,
Industrial Estate, Polo Ground, Indore, M.P.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st September 1974

Ref. No. SR/DEWAS/31-12-73 —Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Village—Kalukhedi, Teh. & District, Dewas, Survey No. 132/1 Area 4.66 acres, situated at Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 17-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Narayan Singh S/o Raghunath Singh, Dewas
- (2) Shri Manoharsingh S/o Shri Harisinghji, Dewas
- (3) Shri Mohansingh S/o Shri Harisinghji, Dewas all r/o Radhagarj, Dewas,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village at Kalukhedi, Teh. & District, Dewas—Survey No 132/1 Area 4.66 acres—Revenue 13.56

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 3.9.1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 29th June 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1049/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8289 of December, 1973 situated at Shahced Udham Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income, arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Amin Chand s/o Shri Attar Singh c/o Shri Attar Singh Bodh Raj of Sabzi Mandi, Jullundur.
(Transferor)

(2) S/Shri Sita Ram, Radhey Sham SS/o Shri Mehar Chand s/o Shri Nand Lal c/o M/s Sehdev Tool, F-72 Industrial Area, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land as mentioned in the Registered Deed No. 8289 of December 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1053/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 8306 of December, 1973 situated at V. Nangal Khurd, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Anand Sarup s/o Shri Amolak Ram,
s/o Shri Ganga Ram R/o Vill. Nangal Khurd,
(on Bhogpur-Bulowal Road).

(Transferor)

(2) M/s Amolak Rice and General Mills,
H.O. Delhi,
C-81, South Extension Part-II, New Delhi
through Shri Kundan Lal s/o Shri Salamat Rai,
H. No. E C. 1027, Moh. Gobind Garh,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8306 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S GUPTA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 29th August 1974

Ref. No. 183/Acq. R-III/74-75/How.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 98, situated at Girish Ghosh Road, Belur, P. S. Bally, Dist. Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar, Howrah on-22-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Brahmaddutt Jhunjhunwalla of 12, Murali Dhar Sen Lane, Calcutta-7.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Ram Niwas Gupta of 105/21, Girish Ghosh Road, Belur, P.S. Lilooah, Dist. Howrah.
(Transferor)

- (4) Smt. Sushila Jaiswal, 19/1, Vidyasagar St., Calcutta-9.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 9 cotta 14 chataks and 15 sq. ft. more or less together with boundary walls, sanitary privy chamber, C.I. office room on pucca walls, meter rooms and sheds and godowns and other structures, and fixtures standing thereon at Municipal premises No. 98, Girish Ghosh Road, Belur, P. S. Bally, Dist. Howrah and registered by Deed No. 3885 of 1973 with the Sub-Registrar, Howrah

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date : 29-8-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd September 1974

Ref. No. SR/GWALIOR/15-12-73.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House three storied at Patanka Bazar No. 9/460, Gwalior, situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 11-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Suresh Chandra S/o Late Shri Ram Dhan Vaishya R/o Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Ramwaroop Singhal s/o Shri Kanhaiyalal
(2) Shri Madanlal Singhal S/o Shri Kanhaiyalal, R/o Chithi-ki-Goath, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House three storied at Patanka Bazar No. 9/460, Gwalior.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 3-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING,
3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref No IAC/ACQ I/SR-III/Feb II/1673/74-75/2508 —
Whereas I D B Lal
being the competent authority under section 269B of the In-
come-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing
No 28 A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering
Officer at Delhi on 28-2-1974,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property
by the issue of this notice under sub-section (1) of section
269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the
following persons, namely —

- (1) M/s Andhra Pradesh Electrical Equipment Corpn,
Prop M/s Electric Construction & Equipment Co
Ltd, 28 A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi
(Transferor)
- (2) Km Kalpna Jaju (minor) by her father and
natural guardian Sh M R Jaju
r/o 7, Sri Ram Road New Delhi
(Transferee)
- (3) M/s Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co
28 A Kasturba Gandhi Marg, New Delhi
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every per-
son who has made such objection, and the transferee of
the property

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have
right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION —The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

250 sq ft built up area on the first floor of Annexe II
building at 28-A Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along
with 1/120th undivided share in land and ground comprised
in the said property together with right title and interest
in the bathrooms lifts isolators LT/HT Switchgear, busbar
chambers, water reservoir, water tanks, airconditioning
units, water cooling towers, electric motors pumps and
other things and articles of common use convenience and
amenities

D B LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 6 9 1974

Seal

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th July 1974

Ref No. CR.62/1972/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 situated at Kumarakrupa Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore in December, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. K. S. Ashok, 2. Aravind Ashok Seshadri minor by Guardian Dr. K. S. Ashok, No. 6, Kumaracot, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore-1. (Transferor)
- (2) Shrimati Parimala Desai, Chairman of Dr. P. R. Desai, Health and Family Planning Services and Investments (P) Ltd., No. 44, Kumarakrupa Road, Bangalore. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 9 in Kumaracot lay out, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore, measuring 40'x70'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore-27.

Date : 16th July 1974
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1056/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed Nos. 8122, 8123, 8124, 8125 and 8126 of December, 1973, situated at Dilkusha Market Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karam Singh Mann s/o Shri Basan Singh, 389 Lajpat Nagar, Jullundur.
Shri Shankar Singh s/o Shri Bal Singh,
Shri Swaran Singh Johal s/o Shri Labh Singh,
Shri Naunihal Singh s/o Shri Gural Singh,
Shri Jagir Singh s/o Shri Partap Singh,
c/o Management Officer, Dilkusha Market,
Jullundur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Mauninder Singh, Kuldip Singh,
s/o Shri Resham Singh.
R/o V. Litran, Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereon shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed Nos. 8122, 8123, 8124, 8125 and 8126 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Parimala Desai, Chairman of Dr. P. R. Desai, Health and Family Planning Service and Investment, (P) Ltd. No. 44, Kumarakrupa Road, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 16th July 1974

Ref. No. CR.62/1974/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17A situated at Kumarakrupa Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore in December 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. S. Bhanu 2. Murali Bhanu minor by Guardian Shri K. S. Bhanu, No. 6, Sri Krishna, 1st Cross, Jayamahal Extension, Bangalore-6. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 17A, Kumaracot layout, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore. measuring

$$\frac{77' \times 53' + 111'}{2}$$

R. KRISHNAMOORTHY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax, Acquisition Range,
 Bangalore.

Date : 16-7-1974.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA,
SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta, the 30th August 1974

Ref. No. AC-33/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85 situated at S. N. Roy Road South Suburban Municipality, Behala, Dt. 24-Parganas, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Registrar of Assurances, Calcutta, on 14-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Begraj Sharma M. G. Road, Japaiguri West Bengal.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Govind Property & Investment (P) Ltd.
2, Brabourne Road, Calcutta-1.

(Transferee)

(3) Tenants (1) Sri P. K. Chakrabarty (Ground floor)
(2) Sri Nirmal Seal (1st floor).

Person in occupation of the property.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 85, S. N. Roy Road, South Suburban Municipality Behala, Dt. 24-Parganas, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta.

Date, 30-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) The Principal Officer,
Sardesai Brothers Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd July 1974

Ref. No. 116 A.c. 23-154/7-3/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Sur. No. 426 (Part) situated at Village; Devsar Tal. Gandevi Dist. Bulsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandevi on 3-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Satyavrata Narayan Sardesai (Karta of H.U.F.),
Kamalabai Satyavrata Sardesai,
Sumangal Satyavrata Sardesai,
Suniti Satyavrata Sardesai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of : 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 426 (Part) (situated at village : Devsar Tal. Gandevi Dist. Bulsar admeasuring Acre —0— Guntha 26 i.e., about 28406 Sq. ft. as mentioned in the registered deed No. 450 of December 1973 of the Registering Officer, Gandevi.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING,
3RD FLOOR, NEW DELHI

4/14-A (3RD FLOOR) SAHIB SINGH BUILDING
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III[Feb-II]1670/74-75/2508.—
Whereas I, D. B. Lal,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 28-A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred as per deed registered
under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Delhi on 28.2.1974,
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
thereof by more than fifteen percent of such apparent
consideration and that the consideration for such trans-
fer as agreed to between the transferor(s) and the
transferee(s) has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons namely:—

- (1) M/s. Andhra Pradesh Electrical Equipment Corpr.;
Prop. M/s. Electric Construction & Equipment Co.
Ltd. 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)

- (2) Smt. Promila Bhuwalka
W/o Sh C. K. Bhuwalka
R/o ECE Factory Premises, Delhi Road,
Sonapat, Haryana.

(Transferee)

- (3) M/s. Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co.
28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

500 sq ft. built up area on the ground floor of Annexe-II
building at 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along-
with 1/60th undivided share in land and ground comprised
in the said property together with right title and interest
in the bathrooms, lifts isolators, LT/HT Switchgear, busbar
chambers, water reservoirs and water tanks airconditioning
units, water cooling towers, electric motors and pumps and
other things and articles of common use convenience and
amenities.

D. B. LAL,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Date : 6.9.1974

Seal :

*Strike off where not applicable. ,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 3rd September 1974

Ref. No. AC-36/R-II/Cal/74-75.—Whereas, J R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing exceeding Rs. 25,000/- and bearing (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 28-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) ~~facilitating the reduction~~ or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Rajiv Jindal 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferor)

- (2) Sri Prannath Kayship, Flat No. 55, Ambassador Apartments, 61/A, Park Street, Calcutta.
(Transferee)

- (3) Sri Rajiv Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.
Person in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided on-half equal share on the second floor being Flat No. 15 in the building known as "Jindal House" at premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 3-9-1974.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR, Phil/ AP-1058/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land as mentioned in the Registered Deed No. 3606 of December, 1973, situated at V. Gunna Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harminder Lal, Jai Ram Dass.
s/o Shri Sant Ram and
Gurditta Mal s/o Jawala Dass,
R/o Phillaur.

(Transferor)

- (2) Smt. Harbans Kaur w/o Shri Pritam Singh,
s/o Shri Malla Singh,
V. Haripur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.—

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3606 of December 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref. No. JAC/ACQ.I/SR-III/Feb-II/1672/74-75/2508.—
Whereas, I D. B. Lal,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 28-A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 28.2.1974,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising
from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11
of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
erty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

(1) M/s. Andhra Pradesh Electrical Equipment Corpn;
Prop. M/s. Electric Construction & Equipment Co.
141, 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)

(2) Kmt. Abha Jaju (Minor) by her father and
natural guardian Sh. R. N. Jaju,
R/o 7, Sri Ram Road, New Delhi.
(Transferee)

(3) M/s. Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co.,
28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

250 sq. ft. built up area on the first floor of Annexe-II
building at 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along
with 1/120th undivided share in land and ground comprised
in the said property together with right title and interest
in the bathrooms, lifts isolators, LT/HT Switchgear busbar
chambers water reservoirs and water tanks, airconditioning
units, water cooling towers, electric motors, pumps and
other things and articles of commons use convenience and
amenities.

D. B. LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 6.9.1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/AP-1055/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2996 of December, 1973 situated at Daya Nund Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Shri Kuljas Mal and Smt. Raj Rani w/o Shri Ved Parkash, Guru Bazar, Kucha Upplan, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Lal Narang, S/o Shri Amin Chand Narang, Kt. Khazana, Gali Kattian, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :— ~~The terms and expressions used~~ herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2996 of December, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baboolal Jain (Vinod) S/o Shri Daulatram Jain, R/o Chouk Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bagmal Paviya S/o Shri Shripal Jain, R/o Chouk, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Shri Kherdiarl Jain s/o Shri Hukem Chand Jain, R/o Chowk, Bhopal.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th September 1974

Ref. No. IAC/ACQ/Bpl/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 84, Double storeyed Jumerati, Bhopal, situated at Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 10-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) ~~facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or~~

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 84 Double Storeyed, Jumerati, Bhopal.

M. F. MUNSHI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bhopal.

Date : 5-9-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/Phil/AP-1059/74-75.—Whereas, I. D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3609 of December, 1973 situated at V. Ganna Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jai Ram Dass s/o Shri Sant Ram,
R/o Phillaur.

(Transferor)

- (2) Shri Mohinder Singh s/o Shri Pritam Singh,
R/o V. Haripur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3609 of December, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING,
3RD FLOOR, NEW DELHI
4/14-A (3RD FLOOR) SAHIB SINGH BUILDING
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref No IAC/ACQ.I/SR-III/Feb-II/1671/74-75/2508.—
Whereas, I. D. B. Lal,
being the competent authority under section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 28-A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908
(15 of 1908) in the office of the Registering Officer
on 28-2-1974,

arent consideration which is less than the fair
value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the
transferor to pay tax under the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising
from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43
of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—

25—246GI/74

(1) M/s. Andhra Pradesh Electrical Equipment crops;
Prop. M/s. Electric Construction & Equipment Co.
Ltd. 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Rehul Vajpayi (minor) through his father and
natural guardian Sh. Umesh Narain Vajpai, R/o
E.C.E. Factory Premises, Delhi, Road Sonapat
(Haryana).
(Transferee)

(3) M/s. Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co.
28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property
will be fixed, and notice thereof shall be given to
every person who has made such objection, and the
transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43
of 1961) shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

500 sq. ft. built up area on the first floor of Annexe-II
building at 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along-
with 1/60th undivided share in land and ground comprised
in the said property together with right title and interest in
the bathrooms, lifts isolated LT/HT Switchgear, busbar cham-
bers water reservoirs and water tanks airconditioning units,
water cooling, towers, electric motors and pumps and other
things and articles of commons use convenience and amenities.

D. B. LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 6.9.1974

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 20th July 1974

Ref. No. 25-M/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 situated at Makandoo Ganj, Pratapgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pratapgarh on 3-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Pt. Suresh Behari and others.

(Transferor)

- (2) Shri Mangal Prasad and others.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house three storied bearing No. 31 is situated at Makandoo Ganj, Pratapgarh.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 20th July 1974
Seal .

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

ADVT NO 38

APPLICATIONS ARE INVITED FOR THE FOLLOWING POSTS:

1. SSO-I, Aero Dev Estt, B'lore, Def Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Mech Engg. 4 yrs exp in Aircraft struct design.
2. One SSO-I, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Aero/Mech Engg. 4 yrs exp in inspection of Aircraft Aero-Engine during mntctr/overhaul/maintenance.
3. One SSO-I, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 700—50—1250—(Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Elect Engg. 4 yrs exp on generating sets, elect power equipment or Airfield Lighting Equipment.
4. Two SSOs-I, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min. (Posts temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Elecon/Telecom/Elect Engg with specialisation in Elecon, OR II Cl Master's Deg in Phy with specialisation in Radio/Wireless/Telecom, 4 yrs exp in inspection/testing/operation & maintenance of radar installations/communication & navigational equipment.
5. One SSO-I, Def Elecon Res Lab, Hyderabad, Def Min. (Posts temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Telecom Engg. OR II Cl Master's Deg in Phy with Elecon as one of the subjects. 4 yrs exp in design & dev work in digital circuitry related to communication or Radar Systems & thorough knowledge of integrated circuits applications.
6. Two SSOs-I, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Mech Engg. 4 yrs exp in the fabrication/testing/inspection of mech components & assemblies for elecon equipment, antenna Towers or similar struct work in respon capacity.
7. Six SSOs-II, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min. (Posts temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—For all posts (Cat I & II).—II Cl Deg in Elecon/Telecom/Elect Engg with specialisation in Elecon. OR II Cl Master's Deg in Phy with specialisation in Radio/Wireless/Telecom. For Cat I (3 posts): 2 yrs exp in inspection/testing/operation & maintenance of radar installations/communication & navigational equipment. For Cat II (3 posts): 2 yrs exp in inspection/testing/operation & maintenance of line communication systems such as multichannel carrier, VF telegraph, digital data communication systems.
8. One Lecturer in Civ Engg. Govt Polytechnic, Govt of Goa, Daman & Diu. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950 (Pre-revised scale). Age.—40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Civ Engg. 2 yrs pref/teaching exp.
9. One Asstt Dir (Techno), All India Handicrafts Board, Com Min. (Post temp likely to continue). Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age.—35 yrs. EQ.—Deg in Metallurg. 3 yrs exp in non-ferrous industries.
10. Three SSOs-II, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min. (Posts temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—II Cl Deg in Mech Engg. 2 yrs exp in fabrication/testing/inspection of antenna towers or similar struct works.
11. One SSO-II, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—II Cl Deg in Elecon Engg. OR II Cl Master's Deg in Phy with Elecon as special subject. 2 yrs exp in dev/prod/inspection of Armaments.
12. One SSO-II, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (To be revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—II Cl Deg in Chem Engg. 2 yrs exp in dev/prod/inspection of Armaments.
13. Two JSOs, Aero Dev Estt, B'lore, Def Min.. (Posts temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—II Cl Deg in Elecon & Comm/Elect Engg with specialisation in Elecon.
14. One Fire-cum-Safety Offcr, Port of New Tuticorin, Shipping & Transport Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age.—35 yrs. EQ.—Matric of recog Univ. Graduateship or Associate Membership of the Instt of Fire Engrs Or Advanced Dip of National Fire Service College, Nagpur & 5 yrs pract exp in respon capacity in Fire Service.
15. One Asstt Lecturer in Civ Engg. Govt Polytechnic, Panaji. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 375—25—500—30—590—EB—30—650 (Pre-revised scale). Age.—35 yrs. EQ.—Deg in Civ Engg. OR National Cert/Dip in Civ Engg & 5 yrs profi or teaching exp.
16. One SSO-I, Naval Chem & Metallurg Lab, Def Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Pre-revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl M.Sc. in Physical Chem/Phy. 4 yrs exp in Res & Dev work in the field of corrosion.
17. One Chemist (SR), Geolog Surv of India, Steel & Mines Min. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Pre-revised). Age.—40 yrs. EQ.—M.Sc. in Chem or Applied Chem. 7 yrs exp in analytical work relating to rocks, minerals, ores, clays, coal, gas & petro products & of assaying of precious metals & determination of trace & name elements. Exp in modern instrumentation methods of analysis.
18. One STA, Govt of Goa, Daman & Diu. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—830—35—900 (Pre-revised scale). Age.—30 yrs. EQ.—Master's Deg in Geol or Dip in Applied Geol from the Indian School of Mines, Dhanbad. 2 yrs exp in Geol inv in Mines or in Govt Deptts dealing with Mineral inv/Regulation & Dev of Mines & Minerals.
19. One SMO (Paediatrics), Genl Hospital, Chandigarh. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 850—50—1000/50—1250. Age.—45 yrs. EQ.—(i) A recognised medical qualification. (ii) Post-grad quals in Paediatrics e.g. M.D. or M.R.C.P., F.R.C.P. (Canada). (iii) 5 yrs exp in the speciality after obtaining post-grad deg.
20. One Pathologist, D'Te of Health Services, Panaji, Goa. (Post temp likely to continue & eventually made pmt). Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). Age.—30 yrs. EQ.—(i) Same as (i) in item 19 above OR Deg of Goa Medical School (Medico-Cirurgiao) & completion of Compul rotating internship.
21. (One Lecturer in Maths, Govt Polytechnic, Govt of Goa, Daman & Diu. (Post temp likely to continue indef). Pay.—Rs. 400—450—30—600—35—670—35—950 (Pre-revised scale). Age.—40 yrs. EQ.—II Cl Master's Deg in Maths. 2 yrs teaching exp in recog College or post S.S.C. instns.
22. One Cameraman, Films Div, I & B Min. (Post temp likely to continue indef). Post resvd for SC, falling resvd for ST & failing both unreserved). Pay.—Rs. 475—25—500—30—680. Age.—45 yrs. EQ.—Matric with 5 yrs exp in Motion Picture Photography. OR Deg/Dip in Cinema (Motion Picture Photography) with exp of Motion Picture Photography.

* Closing date for receipt of applications in Commission's Office: 21st Oct. 74 (4th Nov 74 for candidates abroad, Andaman Nicobar & Lakshadweep).

- * The above gives abridged information of posts etc. For details and application forms, write Secretary, UPSC, New Delhi-110011, with unstamped, self-addressed envelope 23 x 10 cm) giving name of post, item & Advt No.
- * Application Fee in Indian Postal Order for Rs. 8 (for SC and ST); candidates abroad pay fee to the Embassy.
- * Age on 1-1-74 (age concessions for displaced persons, SC, ST & Govt servants unless stated otherwise).
- * Qualifications relaxable at Commission's discretion.
- * Higher initial pay may be given according to qualifications.

ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes ST—Scheduled Tribes
EQ—Essential Qualifications RESVD—Reserved

A. C. BANDYOPADHYAY
Secretary,
Union Public Service Commission

